website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 72 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 21 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी ने वैश्विक नेताओं संग की द्विपक्षीय वार्ता, इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थकेयर सहयोग पर जोर

नई दिल्ली । इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान नरेंद्र मोदी ने कई देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कर सहयोग के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने लिकटेंस्टीन के हेरेडिटरी प्रिंस एलोइस फिलिप मारिया, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी से मुलाकात की।

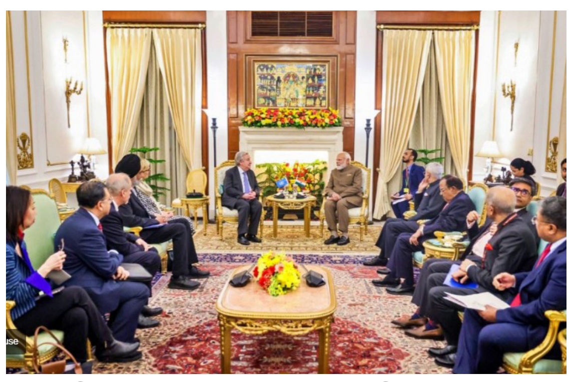

संयुक्त राष्ट्र के साथ एआई और वैश्विक सुधारों पर चर्चा

प्रधानमंत्री ने एंटोनियो गुटेरेस के साथ बैठक में एआई को समावेशी बनाने और वैश्विक स्तर पर इसके जिम्मेदार उपयोग पर चर्चा की। साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुधार और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने पर भी विचार साझा किए गए।

भारत-श्रीलंका सहयोग के नए आयाम

अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ वार्ता में ऊर्जा, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थकेयर, स्किलिंग, संस्कृति और ब्लू इकॉनमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में हालिया प्रगति की समीक्षा भी की।

लिकटेंस्टीन के साथ आर्थिक और तकनीकी साझेदारी

प्रधानमंत्री ने लिकटेंस्टीन के हेरेडिटरी प्रिंस एलोइस फिलिप मारिया के साथ मुलाकात में आर्थिक संबंधों की संभावनाओं और इनोवेशन, टेक्नोलॉजी, स्किलिंग तथा अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

स्लोवाकिया के साथ व्यापार और तकनीकी सहयोग पर जोर

पीटर पेलेग्रिनी के साथ बैठक में व्यापार और निवेश बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने डिजिटल टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप्स, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग मजबूत करने पर सहमति जताई।

वैश्विक सहयोग और जिम्मेदार एआई पर सहमति

स्लोवाकिया के राष्ट्रपति ने समिट के सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि एआई के लोकतांत्रिक उपयोग और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में साझा प्रतिबद्धता जरूरी है।

दवा कीमतों पर सख्ती: ट्रंप ने फ्रांस को 100% टैरिफ की चेतावनी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक दवा कीमतों में बदलाव को लेकर फ्रांस पर दबाव बनाने का दावा किया है। जॉर्जिया के रोम स्थित एक स्टील प्लांट में संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि यदि दवाओं की कीमतों में कटौती नहीं की गई तो वे फ्रेंच वाइन और शैंपेन पर 100 फीसदी टैरिफ लगा देंगे। ट्रंप के मुताबिक, अमेरिका में दवाओं की कीमतें अन्य देशों की तुलना में कहीं अधिक हैं। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में अमेरिकी उपभोक्ताओं को बाकी दुनिया के मुकाबले 13 गुना ज्यादा भुगतान करना पड़ता है। इसी मुद्दे पर उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से फोन पर बातचीत की। ट्रंप ने बताया कि जब उन्होंने कीमतों में बदलाव की मांग की तो मैक्रों ने कथित तौर पर कहा कि ऐसा करने से उनका व्यापार प्रभावित होगा। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया कि यदि सुधार नहीं हुआ तो अमेरिका में बिकने वाली सभी फ्रेंच वाइन और शैंपेन पर 100 फीसदी टैरिफ लगा दिया जाएगा।

ट्रंप ने दावा किया कि जर्मनी और स्पेन सहित अन्य देशों से भी उन्होंने इसी तरह की बातचीत की और उन्हें सकारात्मक संकेत मिले। उन्होंने कहा कि टैरिफ उनका सबसे प्रभावी बातचीत का हथियार है और इससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को मजबूती मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने 11 महीनों में 18 ट्रिलियन डॉलर से अधिक निवेश प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। हालांकि, दवा कीमतों को अंतरराष्ट्रीय दरों से जोड़ने का मुद्दा अमेरिका में राजनीतिक रूप से विवादित बना हुआ है, जहां फार्मा कंपनियां इसे इनोवेशन के लिए चुनौती मानती हैं।

गृह मंत्री अमित शाह त्रिपुरा दौरे पर, संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को त्रिपुरा के अगरतला में आयोजित संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन (राजभाषा सम्मेलन) की अध्यक्षता करेंगे। यह देश के पूर्वी, उत्तर-पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा का सम्मेलन होगा। गृह मंत्रालय (एमएचए) के राजभाषा विभाग की सचिव अंशुली आर्या ने कहा कि देश के उत्तरी, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों से केंद्र सरकार के कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और बैंकों के तीन हजार से अधिक वरिष्ठ अधिकारी, प्रतिनिधि और विशेषज्ञ इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि लगभग 20 राज्यों के अधिकारी, प्रतिनिधि और एक्सपर्ट इस कार्यक्रम में शामिल होंगे, जो त्रिपुरा में अपनी तरह का पहला सम्मेलन है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान साल 2024-25 के लिए 80 क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार केंद्र सरकार के कार्यालयों, बैंकों और कंपनियों को राजभाषा नीति को अच्छे से लागू करने के लिए दिए जाएंगे। इसके अलावा, नगर

राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को 'नराकास प्रोत्साहन पुरस्कार' से भी सम्मानित किया जाएगा। आर्या ने आगे कहा कि पुरस्कार पाने वालों को आधिकारिक सूचना प्रबंधन प्रणाली के जरिए जमा की गई तिमाही प्रोग्रेस रिपोर्ट के आधार पर चुना जाता है। शुक्रवार को होने वाले उद्घाटन सेशन में राजभाषा विभाग की ओर से तैयार राजभाषा भारती के पूर्वोत्तर विशेषांक को जारी किया जाएगा। इसके अलावा, कुछ किताबें भी रिलीज की जाएंगी। इस सेशन में अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में आसान आसन, प्राणायाम और स्ट्रेस-मैनेजमेंट एक्सरसाइज भी शामिल हैं। इसमें हिस्सा लेने वाले राज्यों में पूर्वी क्षेत्र से पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार और झारखंड, जबकि उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से असम, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम, वहीं उत्तरी क्षेत्र से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं। राजभाषा विभाग की सचिव अंशुली आर्या ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मॉडर्न टेक्नोलॉजी भाषा से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में अहम भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आम लोगों की भलाई के लिए हमेशा आसान और सरल हिंदी में बात करते हैं। यहां तक कि केंद्रीय गृह मंत्री चिट्ठियां लिखते समय भी राज्यों की आधिकारिक भाषा का इस्तेमाल करते हैं।" उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हमेशा देश की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने के लिए हिंदी और स्थानीय भाषाओं समेत 22 दूसरी भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल पर जोर दिया है। अंशुली आर्या ने कहा, "हिंदी जैसी बड़ी भाषा को स्थानीय या दूसरी भारतीय भाषाओं पर थोपने का कोई सवाल ही नहीं है।"

हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र शुरू

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र शुक्रवार 20 फरवरी से शुरू हो गया है, जो 18 मार्च तक चलेगा। सत्र के पहले दिन सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही राज्यपाल के अभिभाषण से प्रारंभ हुई। इसके बाद शोक प्रस्ताव के माध्यम से दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी गई और बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बजट सत्र के दौरान 21 और 22 फरवरी को अवकाश रहेगा। 23 फरवरी को सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे शुरू होगी, जबकि 24 से 27 फरवरी तक बैठकें सुबह 11 बजे आयोजित की जाएंगी। 27 फरवरी को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राज्यपाल के अभिभाषण पर जवाब देंगे। इसके बाद 2 मार्च को वह वित्त मंत्री के रूप में बजट पेश करेंगे। बजट पर कई दिनों तक चर्चा के बाद प्रस्ताव पर मतदान होगा, जबकि 17 मार्च को बजट

एस्टीमेट पर वोटिंग कराई जाएगी। सत्र से पहले कांग्रेस विधायक दल की बैठक नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह समेत सभी विधायकों ने हिस्सा लिया। हुड्डा ने कहा कि प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की गई है और जरूरत पड़ने पर स्थगन प्रस्ताव लाया जाएगा। पिछले वर्ष मुख्यमंत्री ने 2025-26 के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। इस बार भी नई योजनाओं की घोषणा और पुरानी योजनाओं के विस्तार की संभावना जताई जा रही है।

AI समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर भड़के सीएम योगी

- विधानसभा में कहा- पूरे देश को शर्मसार किया

यूपी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट के दौरान इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि कुछ लोग देश की कीमत पर खिलवाड़ कर रहे हैं और ऐसी हरकतें किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं हैं। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान विधानसभा में बोलते हुए सीएम योगी ने कहा, "देश की कीमत पर सौदेबाजी नहीं हो सकती। क्या हम राष्ट्र की गरिमा से समझौता करेंगे? हर भारतवासी को इस घटना की निंदा करनी चाहिए।" उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया भारत की ओर आशा और विश्वास से देख रही है, तब इस तरह की घटना देश की छवि को नुकसान पहुंचाती है। सीएम ने

कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री की अगुवाई में वैश्विक मंच पर भारत का विश्वास मजबूत हो रहा है, वहीं दूसरी ओर भारत मंडपम में हुई इस शर्मनाक हरकत ने देश को बदनाम करने की कोशिश की है। उन्होंने इसे भारत की छवि खराब करने का कुत्सित प्रयास बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की।

AI Summit में कांग्रेस की यूथ विंग ने क्या किया?

दरअसल, एआई समिट के दौरान इंडियन यूथ कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने टॉपलेस होकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगाए। इस घटना के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। भारतीय यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने सफाई देते हुए कहा कि यूथ कांग्रेस के सदस्य एआई समिट में गए और "प्रधानमंत्री समझौतावादी हैं" के नारे लगाए। उन्होंने कहा कि यह गुस्सा सिर्फ यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का नहीं, बल्कि उन युवाओं का भी है जो बेरोजगारी से परेशान हैं। उनके मुताबिक अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते से किसानों और आम लोगों को नुकसान होगा, जबकि फायदा सिर्फ अमेरिका को मिलेगा। उदय भानु चिब ने आगे कहा कि लोगों की आवाज उठाना उनका फर्ज है। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र है और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना हर नागरिक का अधिकार है।

SIR विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति का आदेश

कलकत्ता । सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार और चुनाव आयोग के बीच भरोसे की कमी को देखते हुए स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन (SIR) प्रक्रिया के लिए न्यायिक अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट से कहा कि वह एसआईआर में दावों और आपत्तियों पर फैसला लेने के लिए न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति करे। अदालत ने स्पष्ट किया कि नियुक्त अधिकारी बेदाग छवि के हों और डिस्ट्रिक्ट जज या एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज रैंक के हों। शुक्रवार (20 फरवरी, 2026) को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ के सामने बंगाल सरकार और चुनाव आयोग के बीच तीखी बहस देखने को मिली। राज्य सरकार की ओर से पेश वकील श्याम दीवान ने कहा कि चुनाव आयोग ने एक नए तरह के अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है, जिन्हें स्पेशल रोल ऑफिसर कहा जा रहा है। उनका दावा था कि ये अधिकारी इलेक्टोरल

रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ERO) से भी ऊपर रखे गए हैं। इस दलील पर सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि ऐसा लगता है कि न्यायिक अधिकारियों या अन्य कैडर के आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से कहा जाएगा कि वे अच्छे रिकॉर्ड वाले न्यायिक अधिकारियों को नियुक्त करें। चुनाव आयोग की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट डी एम नायडू ने अदालत को बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने आयोग को आवश्यक योग्य अधिकारी उपलब्ध नहीं कराए हैं। इस पर सीजेआई ने निराशा जताते हुए कहा कि अदालत राज्य सरकार से सहयोग की अपेक्षा कर रही थी। 9 फरवरी की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को क्लास-2 अधिकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। उस समय भी अदालत ने पिछली सुनवाई के आदेश के बावजूद अधिकारियों की उपलब्धता न कराने पर फटकार लगाई थी। सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि अदालत ने दस्तावेजों की जांच की तारीख 14 फरवरी से बढ़ाकर 21 फरवरी करने का आदेश दिया था, लेकिन चुनाव आयोग ने 15 फरवरी से दस्तावेज अपलोड करना बंद कर दिया। इस पर सीजेआई ने कहा कि वह अपने आदेश के अनुपालन को लेकर चुनाव आयोग से जानकारी लेंगे। अदालत ने एसआईआर की मौजूदा स्थिति पर भी सवाल किया, जिस पर कपिल सिब्बल ने बताया कि अभी 48 घंटे शेष हैं और वे कुछ मुद्दे उठा रहे हैं।

डिप्टी सीएम पर अखिलेश का हमला, यूपी की राजनीति में गर्माहट तेज

यूपी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्रियों- केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक का जिक्र करते हुए बड़ा दावा किया। उनके इस बयान से प्रदेश का सियासी पारा चढ़ना तय माना जा रहा है। प्रयागराज माघ मेले के दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिष्यों और प्रशासन-पुलिस के बीच कहासुनी के मामले में कन्नौज सांसद ने सवाल उठाया कि आखिर ऐसी क्या वजह है कि दोनों डिप्टी सीएम मिलकर भी दोषियों को सजा नहीं दिला पा रहे हैं।

'पाप लगेगा और वह पापी कहलाएंगे...'

सपा प्रमुख ने कहा कि हमारे बटुकों का अपमान हुआ है। जिन्होंने ऐसा व्यवहार किया है, उन्हें पाप लगेगा और वे पापी कहलाएंगे। आखिर सजा क्यों नहीं दिलवाई जा रही है? क्या कारण है कि दोनों डिप्टी सीएम मिलकर भी कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर दो दिन में सजा नहीं हुई तो मुख्यमंत्री जापान चले जाएंगे, तो क्या हमारे डिप्टी सीएम धरना देने जापान जाएंगे? रायबरेली पहुंचे सपा चीफ ने फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसी ही लव स्टोरी बनाती है। पहले ब्राह्मण समाज को अपमानित करने के लिए कौन-सी फिल्म बनाई गई थी, जिसमें ईमानदार समाज को गलत तरीके से पेश किया गया। अब फिर वैसा ही किया जा रहा है।

बांग्लादेश के साथ संबंधों पर व्यापक बातचीत की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने कहा है कि बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद दोनों देशों के बहुआयामी रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में व्यापक बातचीत की जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी ने नए प्रधानमंत्री को बधाई दी थी। 17 फरवरी को ढाका में हुए शपथ ग्रहण समारोह में Om Birla ने भारत का प्रतिनिधित्व कर प्रधानमंत्री का संदेश सौंपा। द्विपक्षीय बैठक में ऐतिहासिक संबंधों को और प्रगाढ़ करने, वीजा सहित विभिन्न मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने और जन-केंद्रित एजेंडा आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। भारत ने बांग्लादेश को लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाने में हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिया।

दिल्ली में भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरे, CM रेखा गुप्ता ने जारी किया रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली । दिल्ली में भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड जारी किया। मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बीते एक साल के कामकाज, उपलब्धियों और आने वाली प्राथमिकताओं को साझा करते हुए कहा कि यह 'वादों की नहीं, बल्कि काम की सरकार' है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने शुरुआत से ही 'कागज कम, काम ज्यादा' के सिद्धांत पर काम किया है। उनके अनुसार, प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया, योजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाई गई और कामकाज की संस्कृति में बदलाव लाया गया। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में पोस्टर या 'ट्वीट' की राजनीति नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाला काम प्राथमिकता है। रेखा गुप्ता ने बताया कि सरकार ने अपने पहले ही कैबिनेट निर्णय में स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। 20 फरवरी को हुई पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान योजना के विस्तार का फैसला लिया गया, जिसके तहत जरूरतमंद परिवारों को 10 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य कवर उपलब्ध कराया गया। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को गंभीर बीमारियों के इलाज में राहत देना है। सरकार का दावा है कि इस योजना से हजारों परिवारों को सीधा लाभ

मिला है और निजी अस्पतालों में इलाज की पहुंच पहले की तुलना में आसान हुई है। सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में 'अटल कैंटीन' योजना को भी शामिल किया गया। मुख्यमंत्री के अनुसार, इस पहल का मकसद राजधानी में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है ताकि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। अब तक 70 अटल कैंटीन शुरू की जा चुकी हैं, जहां किफायती दरों पर भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। सरकार का कहना है कि यह व्यवस्था विशेष रूप से प्रवासी मजदूरों, रिक्शा चालकों और दैनिक वेतनभोगियों के लिए राहत लेकर आई है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि सरकार ने पूरे 365 दिनों में हर दिन जनकल्याण की दिशा में कम से कम एक कदम आगे बढ़ाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि गरीबों के कल्याण और सामाजिक उत्थान से जुड़ी कई योजनाओं पर लगातार काम हुआ है। आने वाले वर्ष की योजनाओं का जिक्र करते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास, स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने और डिजिटल सेवाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एक वर्ष पूरा होने पर जारी यह रिपोर्ट कार्ड राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसके माध्यम से सरकार ने अपने कामकाज का सार्वजनिक मूल्यांकन पेश किया है और भविष्य की योजनाओं का स्पष्ट रोडमैप भी सामने रखा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि दिल्ली में विकास और जनकल्याण की यह गति आगे भी जारी रहेगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सिर्फ जरूरतमंदों को ही मिले सरकारी मदद

देश में बढ़ते "फ्रीबीज कल्चर" पर एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए राज्य सरकारों को स्पष्ट संदेश दिया है कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में गरीब और वंचित तबकों तक ही सीमित होना चाहिए। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी भले नई न हो, लेकिन इसके निहितार्थ बेहद गंभीर हैं। जब कल्याणकारी योजनाएं राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का औजार बन जाएं और आर्थिक विवेक पीछे छूट जाए, तब राज्य के विकास पर दीर्घकालिक असर पड़ना तय है। अदालत ने यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान की, जिसमें आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव दिया गया था। प्रश्न यह नहीं है कि गरीबों की मदद की जाए या नहीं—निस्संदेह की जानी चाहिए। प्रश्न यह है कि क्या बिना किसी भेद के, भुगतान करने में सक्षम लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देना न्यायसंगत और आर्थिक रूप से टिकाऊ है? कल्याण और तुष्टीकरण के बीच की रेखा बहुत पतली होती है और उसे पहचानना सरकारों की जिम्मेदारी है। भारत जैसे विकासशील देश में संसाधन सीमित हैं। अधिकांश राज्य पहले से ही राजस्व घाटे से जूझ रहे हैं। ऐसे में यदि सरकारों का बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और मुफ्त राशन या बिजली जैसी योजनाओं पर ही खर्च हो जाए, तो बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन जैसी प्राथमिकताएं पीछे छूट जाती हैं। अदालत की यह चिंता वाजिब है कि विकास परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं, जबकि चुनावी मौसम में नई-नई घोषणाएं हो जाती हैं। अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को दांव पर लगाना दूरदर्शिता नहीं कहा जा सकता।

लोकलुभावन वादों का आकर्षण हर लोकतंत्र में रहता है। चुनाव के आसपास मुफ्त योजनाओं की बाढ़ आना भी कोई अनोखी बात नहीं, लेकिन क्या यह स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा है? यदि नागरिकों को यह संदेश जाए कि राज्य हर जरूरत—खाना, बिजली, गैस—बिना शर्त उपलब्ध कराएगा, तो काम और उद्यमिता के प्रति प्रेरणा पर भी असर पड़ सकता है। आत्मसम्मान और स्वावलंबन किसी भी समाज की बुनियाद होते हैं। सरकार का दायित्व अवसर पैदा करना है—रोजगार, कौशल विकास और उद्यम के लिए अनुकूल माहौल बनाना—न कि स्थायी निर्भरता की संस्कृति विकसित करना। यह भी सच है कि भारत में अभी भी बड़ी आबादी ऐसी है जो बिजली का बिल, रसोई गैस या जरूरी राशन का खर्च वहन करने में असमर्थ है। उनके लिए लक्षित और पारदर्शी सहायता अनिवार्य है। तकनीक और डेटा के इस दौर में आय और सामाजिक-आर्थिक स्थिति के आधार पर लाभार्थियों की पहचान करना संभव है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और आधार-लिंक्ड प्रणालियों ने यह क्षमता बढ़ाई है कि सहायता सही हाथों तक पहुंचे। 'सबको मुफ्त' की नीति प्रशासनिक सुविधा का बहाना तो हो सकती है, आर्थिक विवेक का नहीं। समस्या यह है कि एक बार कोई मुफ्त योजना शुरू हो जाए तो उसे वापस लेना राजनीतिक रूप से बेहद कठिन हो जाता है। परिणामस्वरूप राजकोषीय बोझ बढ़ता जाता है और भविष्य की पीढ़ियों पर कर्ज का दबाव बढ़ता है। संतुलन ही समाधान है—न कठोर कटौती, न असीमित उदारता। सरकारों को लोकप्रियता से अधिक प्राथमिकता वित्तीय अनुशासन और समावेशी विकास को देनी होगी। तभी सरकारी मदद वास्तव में उन तक पहुंचेगी, जिन्हें उसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, और लोकतंत्र में जनकल्याण का उद्देश्य भी सार्थक हो सकेगा।

सामरिक संबंधों को धार देते भारत-फ्रांस

भारत और फ्रांस के बीच संबंधों की कहानी केवल कूटनीति की औपचारिकता भर नहीं है, बल्कि यह भरोसे, साझा हितों और बदलते वैश्विक संतुलन की पृष्ठभूमि में विकसित हुई एक परिपक्व साझेदारी का उदाहरण है। हाल में फ्रांस के राष्ट्रपति Emmanuel Macron की भारत यात्रा और मुंबई में प्रधानमंत्री Narendra Modi के साथ हुई वार्ताओं ने इस रिश्ते को नई ऊर्जा और नई दिशा दी है। दोनों नेताओं की मौजूदगी में रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और आर्थिक सहयोग से जुड़े 21 अहम समझौतों पर हस्ताक्षर यह संकेत देते हैं कि भारत-फ्रांस संबंध अब पारंपरिक मित्रता से आगे बढ़कर रणनीतिक गहराई हासिल कर चुके हैं। बदलते वैश्विक परिदृश्य में जब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था आकार ले रही है, तब इन दोनों देशों का एक-दूसरे के साथ कंधा मिलाकर खड़ा होना न केवल द्विपक्षीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिए भी महत्वपूर्ण है।

इस यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में कर्नाटक में एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन की शुरुआत है। एच-125 हेलीकॉप्टर विश्व में अपनी क्षमता और विश्वसनीयता के लिए जाना जाता है और यह इतिहास का एकमात्र हेलीकॉप्टर है जो माउंट एवरेस्ट की चोटी पर उतर चुका है। 'मेड इन इंडिया' के तहत इसका निर्माण भारत की सामरिक आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम है। यह केवल एक सिविल हेलीकॉप्टर नहीं, बल्कि भारतीय सेनाओं की सामरिक जरूरतों को भी पूरा करेगा। इससे न केवल तकनीकी हस्तांतरण होगा बल्कि भारत में रोजगार, कौशल विकास और रक्षा उत्पादन की घरेलू क्षमता भी मजबूत होगी। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में फ्रांस की भागीदारी भारत के लिए रणनीतिक रूप से अत्यंत लाभकारी है।

रक्षा सहयोग भारत-फ्रांस संबंधों की धुरी रहा है। राफेल लड़ाकू विमानों की आपूर्ति से लेकर पनडुब्बी निर्माण और मिसाइल तकनीक तक, दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में निरंतर विस्तार हुआ है। फ्रांस की कंपनी साफरान और भारत की भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से हैमर मिसाइल निर्माण का निर्णय इस सहयोग को नई ऊंचाई देता है। इससे भारत की मारक क्षमता में वृद्धि होगी और आयात पर निर्भरता घटेगी। 2018 के बाद से फ्रांस भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता देश बन चुका है और भारत अपनी कुल रक्षा आयात का लगभग 29 प्रतिशत फ्रांस से करता है। यह आंकड़ा केवल व्यापारिक लेन-देन का संकेत नहीं, बल्कि गहरे विश्वास का प्रतीक है।

भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी की नींव 1998 में पड़ी थी, जब भारत ने Pokhran में परमाणु परीक्षण किए थे। उस समय विश्व की कई शक्तियों, विशेषकर United States ने भारत पर प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन फ्रांस ने भारत से संवाद बनाए रखा और रणनीतिक समझ को आगे बढ़ाया। यही वह दौर था जब दोनों देशों के संबंधों में स्थायित्व और भरोसे की भावना मजबूत हुई। फ्रांस ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के दृष्टिकोण को समझा और कई मामलों में समर्थन दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन करने वाले प्रारंभिक देशों में फ्रांस शामिल रहा है।

दोनों देशों के बीच सहयोग केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भी साझेदारी लगातार गहरी हुई है। सैटेलाइट प्रक्षेपण, अंतरिक्ष अनुसंधान और स्पेस टेक्नोलॉजी में दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए हैं। 'इंडो-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन 2026' की घोषणा इस बात का संकेत है कि भविष्य की तकनीकों—विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस—में दोनों देश मिलकर काम करेंगे। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, यूपीआई जैसी प्रणालियों के विस्तार में फ्रांस की रुचि और भारत की तकनीकी दक्षता मिलकर नई संभावनाओं को जन्म दे सकती है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग भारत-फ्रांस संबंधों का एक और महत्वपूर्ण आयाम है। फ्रांस की रीयूनियन द्वीप, न्यू कैलेडोनिया और फ्रेंच पोलिनेशिया जैसे क्षेत्रों में उपस्थिति उसे हिंद-प्रशांत में एक प्रमुख शक्ति बनाती है। भारत और फ्रांस द्वारा जारी 'भारत-फ्रांस हिंद-प्रशांत रोडमैप' इस क्षेत्र में संतुलित और नियम-आधारित व्यवस्था की स्थापना का प्रयास है। चीन की बढ़ती आक्रामकता और समुद्री विस्तारवाद के बीच भारत और फ्रांस का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम माना जा रहा है। दोनों देश समुद्री सुरक्षा, नौसैनिक अभ्यास और लॉजिस्टिक समर्थन के समझौतों के तहत एक-दूसरे के सैन्य अड्डों का उपयोग भी कर सकते हैं, जो रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ऊर्जा के क्षेत्र में भी साझेदारी उल्लेखनीय है। सिविल न्यूक्लियर एनर्जी, एडवांस मॉड्यूलर रिएक्टर और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर भी दोनों देशों की सोच में सामंजस्य है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसी पहलों में फ्रांस ने भारत के साथ मिलकर वैश्विक नेतृत्व का परिचय दिया है। पर्यावरण संरक्षण, हरित प्रौद्योगिकी और सतत विकास के क्षेत्रों में साझा प्रयास भविष्य की पीढ़ियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे।

आर्थिक मोर्चे पर भी भारत-फ्रांस संबंध मजबूत हुए हैं। पिछले 25 वर्षों में फ्रांस भारत में विदेशी निवेश के लिहाज से तीसरा सबसे बड़ा निवेशक बनकर उभरा है। भारत में 1000 से अधिक फ्रांसीसी कंपनियां सक्रिय हैं, जिनका संयुक्त कारोबार लगभग 30 अरब डॉलर से अधिक है। विमानन, परिवहन, रेलवे, शहरी विकास, रक्षा उत्पादन और डिजिटल सेवाओं जैसे क्षेत्रों में फ्रांसीसी कंपनियों की उपस्थिति भारत की विकास यात्रा में योगदान दे रही है। टाटा और एयरबस के बीच हेलीकॉप्टर निर्माण को लेकर हुई सहमति इसका उदाहरण है कि दोनों देश संयुक्त उत्पादन और तकनीकी साझेदारी के माध्यम से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत करना चाहते हैं।

ऐतिहासिक दृष्टि से भी दोनों देशों के संबंधों में एक अलग मिठास रही है। 1962 में क्षेत्रों के हस्तांतरण संबंधी संधि के अनुमोदन ने दोनों देशों के रिश्तों को सहज बनाया। फ्रांस के नेतृत्व ने समय-समय पर भारत के साथ संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति का परिचय दिया। 1973 में फ्रांस के तत्कालीन वित्त मंत्री वेलेरी जिसकार्ड द'एस्तें की पहल पर 'भारत-फ्रांस अध्ययन समूह' की स्थापना हुई, जिसने ऊर्जा, समुद्री तेल उत्खनन और संयुक्त उद्यमों के लिए आधार तैयार किया। 1994 के बाद से दोनों देशों के व्यापार संतुलन का भारत के पक्ष में रहना इस बात का संकेत है कि आर्थिक संबंधों में भी स्थिरता और लाभप्रदता रही है।

भारत और फ्रांस की निकटता का एक कारण यह भी है कि दोनों देशों के बीच कोई बड़ा क्षेत्रीय विवाद नहीं रहा। दोनों लोकतांत्रिक मूल्यों, संप्रभुता और बहुपक्षीय व्यवस्था के समर्थक हैं। हालांकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कई बार दोनों देशों ने अलग-अलग रुख भी अपनाए, लेकिन संवाद और समझ की परंपरा ने मतभेदों को टकराव में बदलने नहीं दिया। यही परिपक्वता इस रिश्ते की सबसे बड़ी ताकत है।

आज जब विश्व यूक्रेन संकट, मध्य-पूर्व की अस्थिरता और इंडो-पैसेफिक में शक्ति संतुलन जैसे जटिल मुद्दों से जूझ रहा है, तब भारत और फ्रांस का एक साझा दृष्टिकोण उभरकर सामने आया है। आतंकवाद के हर रूप के खिलाफ सख्त रुख, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान की प्रतिबद्धता दोनों देशों को स्वाभाविक साझेदार बनाती है। फ्रांस द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से सम्मानित करना इस गहरे विश्वास का प्रतीक है।

कुल मिलाकर, भारत-फ्रांस संबंध केवल समझौतों की सूची नहीं, बल्कि साझा विजन, तकनीकी नवाचार, सामरिक मजबूती और आर्थिक सहयोग की एक व्यापक कहानी है। 25 वर्षों की रणनीतिक साझेदारी ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब दो देश समान सोच, पारस्परिक सम्मान और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ते हैं, तो वे वैश्विक मंच पर प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं। आने वाले समय में यह साझेदारी और अधिक सुदृढ़ होगी, क्योंकि दोनों देशों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे केवल वर्तमान की चुनौतियों का सामना करने के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं को आकार देने के लिए भी साथ-साथ चलने को प्रतिबद्ध हैं। भारत-फ्रांस संबंधों की यह ऊंची उड़ान वैश्विक राजनीति में संतुलन, स्थिरता और सहयोग का एक सशक्त उदाहरण बन सकती है।

एआई की मदद से मुकदमों का बोझ क्यों नहीं घटाते हम ?

दूरदृष्टि का तकाज़ा यही है कि तकनीक को केवल चमक-दमक या प्रचार का औज़ार न बनाया जाए, बल्कि उसे जनहित में व्यावहारिक रूप से उतारा जाए। आज देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर एक तरह की आंधी चल रही है। इसे कोई विकसित भारत का शंखनाद मान रहा है तो कोई इसे आने वाले संकट की आहट बता रहा है। असल सवाल यह है कि क्या हम एआई को उन क्षेत्रों में लगा रहे हैं, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है? खासकर न्यायपालिका में, जहां करोड़ों मुकदमे लंबित हैं और "तारीख पर तारीख" की संस्कृति आम आदमी के भरोसे को कमजोर कर रही है। अगर एआई का सही इस्तेमाल हो, तो मुकदमों का बोझ काफी हद तक कम किया जा सकता है। लेकिन अभी तक तस्वीर विरोधाभासों और असमंजस से भरी दिखाई देती है।

ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट के तीसरे चरण में एआई और ब्लॉकचेन के उपयोग के लिए महज 53.57 करोड़ रुपये का प्रावधान यह संकेत देता है कि प्राथमिकता और जरूरत के बीच संतुलन अभी स्पष्ट नहीं है। सुप्रीम कोर्ट स्तर पर शोध, अनुवाद और डेटा प्रबंधन के लिए कई एआई टूल विकसित किए गए हैं। परंतु यह भी सच्चाई है कि 99 प्रतिशत से अधिक मुकदमे हाईकोर्ट और जिला अदालतों में लंबित हैं। आम नागरिक की न्याय से पहली और अक्सर अंतिम मुलाकात इन्हीं निचली अदालतों में होती है। यदि एआई के माध्यम से पुलिस, अभियोजन, अदालत और जेल प्रशासन को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाए, तो जमानत से जुड़े लाखों मामलों में त्वरित निर्णय संभव हो सकता है। चेक बाउंसिंग, ट्रैफिक चालान और छोटे आर्थिक विवादों जैसे मामलों का एआई आधारित केस मैनेजमेंट और ऑटोमेटेड सुनवाई शेड्यूलिंग से शीघ्र निस्तारण हो सकता है। इससे अदालतों में लंबित मामलों का पहाड़ काफी हद तक घटाया जा सकता है।

अदालतों में एआई टूल से यदि हर सुनवाई की स्वचालित ट्रांसक्रिप्ट तैयार हो, तो रिकॉर्ड में पारदर्शिता बढ़ेगी और "गोरखधंधा" कम होगा। मुकदमे की प्रगति को डिजिटल डैशबोर्ड पर ट्रैक किया जा सके तो वादकारी को भी भरोसा रहेगा कि उसका मामला आगे बढ़ रहा है। परंतु चिंता यह है कि न्याय को तेज और सुलभ बनाने की दिशा में एआई का व्यावहारिक उपयोग अभी प्राथमिक एजेंडा नहीं बना है। आम नागरिक के "त्वरित और सटीक न्याय" के अधिकार को सुनिश्चित करने के बजाय तकनीक का उपयोग प्रतीकात्मक स्तर पर अधिक दिखता है।

विधि आयोग के अध्यक्ष जस्टिस दिनेश माहेश्वरी ने यह सही कहा है कि एआई निर्णय प्रक्रिया में सहायता कर सकता है, केस मैनेजमेंट को बेहतर बना सकता है, लेकिन जजों के विवेक और मानवीय संवेदना का स्थान नहीं ले सकता। न्याय केवल तथ्यों का गणितीय विश्लेषण नहीं, बल्कि परिस्थितियों, मंशा और मानवीय पहलुओं का भी मूल्यांकन है। न्यूजीलैंड में क्राइस्टचर्च की जिला अदालत के एक जज ने एआई द्वारा लिखे गए माफीनामे को अस्वीकार करते हुए कहा कि उसमें मानवीय भावों की कमी है। यह उदाहरण बताता है कि एआई सहायक हो सकता है, पर निर्णायक नहीं।

भारत में भी न्यायपालिका ने एआई के अंधाधुंध उपयोग पर चिंता जताई है। पिछले वर्ष सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश ने चेताया था कि चैटजीपीटी जैसे टूल का अनियंत्रित उपयोग संवैधानिक व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एआई से बनाए गए काल्पनिक मुकदमे का हवाला देने पर जुर्माना लगाया। हाल में चीफ जस्टिस की पीठ ने भी इस "मर्ज" पर चिंता व्यक्त की है कि वकीलों की ड्राफ्टिंग और जजों के निर्णयों में एआई का गलत उपयोग मुकदमेबाजी को जटिल बना रहा है। यह स्थिति बताती है कि एआई को लेकर स्पष्ट दिशानिर्देश और जवाबदेही तंत्र जरूरी है। एल्गोरिदम बायस, अनुवाद की त्रुटियां और डेटा सुरक्षा जैसे मुद्दे भी कम गंभीर नहीं हैं। लोकसभा में कानून मंत्री ने स्वीकार किया था कि न्यायपालिका में एआई के उपयोग से जुड़े इन पहलुओं पर ई-कमेटी विचार कर रही है। फैसलों का 18 भाषाओं में अनुवाद नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर के माध्यम से हो रहा है, जो स्वागतयोग्य कदम है। परंतु जब किसी भाषण के तीन मिनट के मूल पाठ को आठ मिनट का अनुवाद बनाकर सबूत के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न है। न्यायालय की एक पीठ ने कहा कि एआई आधारित अनुवाद में कम से कम 98 प्रतिशत सटीकता आवश्यक है। यह मानक बताता है कि न्याय में अनुमान या आंशिक सटीकता स्वीकार्य नहीं हो सकती।

सुनवाई और प्रसारण में व्हॉट्सएप और ज़ूम जैसे विदेशी एप्स का उपयोग भी संवेदनशील प्रश्न उठाता है। न्यायिक कार्यवाही में गोपनीय और वर्गीकृत सूचनाएं शामिल होती हैं। यदि डेटा विदेशी सर्वरों पर जाता है या निजी कंपनियों के नियंत्रण में रहता है, तो यह न केवल गोपनीयता बल्कि राष्ट्रीय संप्रभुता का भी प्रश्न है। गृह मंत्रालय ने गोपनीय जानकारी साझा करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है, परंतु डिजिटल और एआई कंपनियों के साथ डेटा साझाकरण के मुद्दे पर स्पष्ट और कठोर नीति अभी भी अधूरी है। निजता के अधिकार को सर्वोच्च न्यायालय ने मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी थी, किंतु व्यापक डेटा सुरक्षा कानून को लेकर असमंजस और लंबित याचिकाएं यह दर्शाती हैं कि नीति और क्रियान्वयन के बीच दूरी है।

एआई का उद्देश्य यदि "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" है, तो उसका पहला उपयोग न्यायिक बोझ कम करने, पारदर्शिता बढ़ाने और न्याय की पहुंच आसान बनाने में होना चाहिए। इसके लिए कुछ ठोस कदम आवश्यक हैं। पहला, जिला अदालतों में एआई आधारित केस ट्रायज सिस्टम विकसित किया जाए, जो मामलों को उनकी प्रकृति और जटिलता के आधार पर वर्गीकृत कर प्राथमिकता तय करे। दूसरा, जमानत और छोटे अपराधों से जुड़े मामलों के लिए मानकीकृत एआई सहायता प्रणाली बने, जो जज को पूर्व निर्णयों और कानूनी प्रावधानों का त्वरित संदर्भ दे सके। तीसरा, बहुभाषी और संदर्भ-संवेदनशील अनुवाद मॉडल विकसित किए जाएं, जिनका परीक्षण और ऑडिट स्वतंत्र एजेंसियों से हो। चौथा, डेटा लोकलाइजेशन और साइबर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि न्यायिक डेटा देश के भीतर सुरक्षित रहे।

साथ ही, यह स्पष्ट करना होगा कि एआई एक सहायक उपकरण है, न कि निर्णयकर्ता। अंतिम फैसला मानव जज का ही होना चाहिए। एआई की सिफारिशों को पारदर्शी बनाया जाए, ताकि यह समझा जा सके कि किसी निष्कर्ष तक पहुंचने में कौन से पैरामीटर और डेटा का उपयोग हुआ। एल्गोरिदमिक पारदर्शिता और जवाबदेही के बिना न्यायिक एआई पर भरोसा नहीं बन सकेगा।

आज जब विकसित भारत का लक्ष्य सामने है, तब तकनीक का विवेकपूर्ण और आत्मनिर्भर उपयोग अनिवार्य है। यदि एआई क्रांति की आड़ में विदेशी कंपनियों का आधिपत्य स्थापित हो गया और न्यायिक डेटा पर उनका नियंत्रण बढ़ गया, तो यह संविधान की सार्वभौमिकता और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा के लिए गंभीर चुनौती होगी। लेकिन यदि दूरदृष्टि, नीति स्पष्टता और व्यावहारिक क्रियान्वयन के साथ एआई को न्यायिक सुधार का औजार बनाया गया, तो यह न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन ला सकता है।

एआई अटेंशन इकॉनमी और मुनाफा कैसे एल्गोरिदम के जरिए लोकतंत्र, स्वतंत्र सोच और नागरिक आज़ादी को चुनौती दे रहे हैं

आठ वर्ष पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि जो भी आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) में महारत हासिल करेगा, वही दुनिया पर राज करेगा। उस वक्त यह कथन भविष्यवाणी जैसा लगा, लेकिन आज यह हकीकत के बेहद करीब दिखाई देता है। बीते कुछ वर्षों में एआई तकनीक में निवेश विस्फोटक गति से बढ़ा है। अकेले 2025 में ही माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, अमेज़न और मेटा जैसी बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने एआई पर 320 अरब डॉलर से ज़्यादा खर्च किए। यह आंकड़ा केवल निवेश का नहीं, बल्कि उस शक्ति का संकेत है, जिसे लेकर वैश्विक स्तर पर होड़ मची हुई है। एआई में वर्चस्व की यह दौड़ अपने साथ कई तरह की आशंकाएं भी लेकर आई है। अक्सर यह चिंता जताई जाती है कि अत्यधिक बुद्धिमान मशीनें नए सुरक्षा जोखिम पैदा कर सकती हैं। आतंकवादी, हैकर और अन्य आपराधिक तत्व एआई का इस्तेमाल अपनी गतिविधियों को और खतरनाक बनाने में कर सकते हैं। कुछ लोग तो यहां तक सवाल उठाते हैं कि अगर एआई मानव नियंत्रण से पूरी तरह बाहर निकल गई तो क्या होगा? क्या वह अपने ही वर्चस्व की तलाश में मनुष्यों को चुनौती दे सकती है? हालांकि ये खतरे गंभीर हैं, लेकिन इनसे भी अधिक तात्कालिक और गहराई तक असर डालने वाला एक खतरा हमारे सामने खड़ा है। लगातार अधिक शक्तिशाली लेकिन अपारदर्शी होते जा रहे एआई एल्गोरिदम हमारी व्यक्तिगत और सामूहिक स्वतंत्रता को चुनौती दे रहे हैं। जितना ज़्यादा हम सोचने, समझने और निर्णय लेने का काम मशीनों को सौंपते जाएंगे, उतनी ही कम हमारी अपनी बौद्धिक क्षमता और आलोचनात्मक सोच विकसित होती जाएगी। यह खतरा धीरे-धीरे हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में समा रहा है, और शायद इसी वजह से यह सबसे ज़्यादा चिंताजनक है।

स्वतंत्रता पर दोहरा संकट

हमारी स्वतंत्रता पर एआई से पैदा होने वाला खतरा दो स्तरों पर दिखाई देता है। एक ओर रूस और चीन जैसे निरंकुश शासन पहले से ही एआई का इस्तेमाल व्यापक निगरानी के लिए कर रहे हैं। चेहरे की पहचान तकनीक, डेटा एनालिटिक्स और एल्गोरिदमिक प्रोफाइलिंग के ज़रिये वे नागरिकों की गतिविधियों पर अभूतपूर्व नियंत्रण स्थापित कर चुके हैं। असहमति की आवाज़ों को दबाने के लिए केवल बल प्रयोग ही नहीं, बल्कि सूचना के प्रवाह को नियंत्रित करने की रणनीति भी अपनाई जा रही है। जो भी सूचना सत्ता के लिए असुविधाजनक हो सकती है, उसे या तो दबा दिया जाता है या फिर उसके खिलाफ़ वैकल्पिक नैरेटिव खड़ा कर दिया जाता है। दूसरी ओर, निजी और बहुराष्ट्रीय कंपनियां—जिनके पास अपार पूंजी और डेटा तक सीधी पहुंच है—अपने उत्पादों और प्लेटफॉर्म में एआई को इस तरह एकीकृत कर रही हैं कि मानवीय हस्तक्षेप धीरे-धीरे कमज़ोर पड़ता जा रहा है। इन कंपनियों का घोषित उद्देश्य भले ही 'बेहतर यूज़र अनुभव' देना हो, लेकिन उनका वास्तविक लक्ष्य मुनाफे को अधिकतम करना है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के सामाजिक, राजनीतिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभाव अब किसी से छिपे नहीं हैं। फेक न्यूज़, नफ़रत भरे भाषण, राजनीतिक ध्रुवीकरण और मानसिक तनाव—ये सब उसी मॉडल की देन हैं, जिसमें यूजर्स का ध्यान (अटेंशन) सबसे कीमती संसाधन बन चुका है।

एआई और लोकतंत्र का सवाल

एआई उदार लोकतंत्रों के सामने भी एक बुनियादी और अस्तित्वगत सवाल खड़ा करती है। यदि यह तकनीक मुख्य रूप से निजी क्षेत्र के नियंत्रण में ही बनी रहती है, तो 'जनता की, जनता के द्वारा और जनता के लिए' सरकार की अवधारणा कैसे सुरक्षित रह पाएगी? लोकतंत्र केवल मतदान की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है। वह नागरिकों की सूचित सहमति, स्वतंत्र सोच और खुले संवाद पर आधारित होता है। जब एल्गोरिदम यह तय करने लगें कि हमें क्या देखना चाहिए, क्या पढ़ना चाहिए और किस तरह सोचना चाहिए, तो नागरिकों की स्वतंत्रता केवल काग़ज़ों तक सिमट कर रह जाती है। लोगों को यह समझने की ज़रूरत है कि स्वतंत्रता का सार्थक उपयोग तभी संभव है, जब मानवीय प्रसंगों—यानी संदर्भ, भावना, नैतिकता और विवेक—की रक्षा की जाए। हमें उन मशीनों के अतिक्रमण से बचना होगा, जो हमारी सोचने और महसूस करने की प्रक्रियाओं को चुपचाप आकार दे रही हैं।

नैरेटिव गढ़ने की एआई की ताकत

हालिया शोध इस खतरे को और स्पष्ट करता है। एक अध्ययन में लगभग 77,000 लोगों ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर एआई मॉडलों के साथ संवाद किया। इस अध्ययन में पाया गया कि जिन चैटबॉट्स को किसी विशेष नैरेटिव की ओर यूज़र्स को झुकाने के मकसद से डिज़ाइन किया गया था, वे सामान्य एआई मॉडलों की तुलना में 51 प्रतिशत तक अधिक प्रभावी साबित हुए। यानी तकनीक केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह राय बनाने और बदलने में भी सक्षम हो चुकी है। एक अन्य हालिया अध्ययन, जो कनाडा और पोलैंड में किया गया, और भी ज़्यादा चौंकाने वाला है। इसमें हर दस में से एक मतदाता ने यह स्वीकार किया कि एआई चैटबॉट्स के साथ हुई बातचीत ने उन्हें किसी विशेष उम्मीदवार का समर्थन न करने की स्थिति से समर्थन करने की ओर मोड़ दिया। यह आंकड़ा दिखाता है कि चुनाव जैसी लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं भी अब एल्गोरिदमिक प्रभाव से अछूती नहीं रहीं।

फ्री-स्पीच की बदलती परिभाषा

डिजिटल युग में फ्री-स्पीच का पारंपरिक सिद्धांत भी सवालों के घेरे में है। यह सिद्धांत उस डिजिटल बाज़ार के लिए उपयुक्त नहीं रह गया है, जो सर्वव्यापी एल्गोरिदमों द्वारा आकार ले रहा है। ये एल्गोरिदम चुपचाप एआई इन्फ़्लुएंसर की तरह काम करते हैं—बिना चेहरा दिखाए, बिना नाम बताए। ऑनलाइन सेवाओं के यूज़र्स को अक्सर यह लगता है कि उन्हें वही कंटेंट दिखाया जा रहा है, जो वे देखना चाहते हैं। लेकिन सच यह है कि एल्गोरिदम यूज़र्स को धीरे-धीरे उस दिशा में मोड़ देते हैं, जहां कॉर्पोरेट प्लेटफॉर्म उन्हें ले जाना चाहते हैं। यह प्रक्रिया इतनी सूक्ष्म और गोपनीय होती है कि आम यूज़र को इसका एहसास भी नहीं होता।

धारा 230 और कॉर्पोरेट सुरक्षा

फ्री-स्पीच सिद्धांत की ऐसी ही विकृति 1996 के कम्युनिकेशंस डिसेंसी एक्ट की धारा 230 में भी दिखाई देती है। यह धारा डिजिटल प्लेटफॉर्म मालिकों को उनकी साइट पर मौजूद सामग्री से होने वाले नुकसान की ज़िम्मेदारी से बचाती है। इसका आधार यह मान्यता है कि प्लेटफॉर्म पर मौजूद सारी सामग्री यूज़र-जनरेटेड होती है—यानी लोग बस अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं। लेकिन हकीकत इससे कहीं अलग है। मेटा, टिकटॉक, एक्स (पूर्व में ट्विटर) और अन्य बड़े प्लेटफॉर्म किसी तटस्थ मंच की तरह काम नहीं करते। वे सक्रिय रूप से यह तय करते हैं कि कौन-सा कंटेंट ज़्यादा लोगों तक पहुंचेगा और कौन-सा हाशिए पर चला जाएगा। एल्गोरिदम के ज़रिये कंटेंट की प्राथमिकता तय करना, दरअसल संपादकीय भूमिका निभाने जैसा ही है, लेकिन बिना किसी जवाबदेही के।

परियोजनाओं के शीघ्र संचालन के लिए आवश्यक स्वीकृतियां शीघ्र हों जारी- भजनलाल शर्मा

-मुख्यमंत्री ने की 84 हजार 282 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर प्रगति की समीक्षा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार जन सेवा को सर्वोपरि मानकर कार्य कर रही है। अधिकारी जनता की समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्मिक निष्ठा से अपने राजकीय दायित्वों का निर्वहन करें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज-उन्नति की बैठक को वीसी के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की 84 हजार 282 करोड़ रुपये की परियोजनाओं और योजनाओं पर चर्चा की तथा अधिकारियों को इनके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि अधिकारी तय समय में विकास कार्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, जिससे परियोजनाओं की लागत में वृद्धि ना हो तथा जनता को राहत मिले।

अधिकारी नियमित करें जनसुनवाई—

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी सम्पर्क हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करें। साथ ही, जिला एवं विभाग स्तर पर नियुक्त नोडल अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कलक्टर्स को निर्देश दिए कि सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त समस्याओं के समाधान में देरी ना हो। साथ ही, नियमित जन सुनवाई करें, जिससे स्थानीय स्तर पर ही आमजन की परिवेदनाओं का निस्तारण सुनिश्चित हो सके। इस

दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन के चयनित परिवादियों से उनके परिवाद निस्तारण पर फीडबैक लिया। जैसलमेर के धन्नाराम सहित अन्य परिवादियों ने मुख्यमंत्री का समस्याओं के समाधान के लिए आभार जताया।

पावरग्रिड के प्रोजेक्ट्स को समय से करें पूर्ण—

शर्मा ने पावर ग्रिड के प्रोजेक्ट्स को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने 765 केवी डी/सी ब्यावर-दौसा ट्रांसमिशन लाइन से संबंधित कार्य में गति लाने और 765 केवी डी/सी सीकर-खेतड़ी ट्रांसमिशन लाइन को भी जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

आरएफआईडी एवं जीपीएस आधारित निगरानी प्रणाली की हो नियमित मॉनिटरिंग—

शर्मा ने उद्योग विभाग को भीलवाड़ा में बन रहे टेक्सटाइल पार्क में समस्त कार्य शीघ्र पूर्ण करते हुए भूखण्ड आवंटन प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में आरएफआईडी एवं जीपीएस आधारित निगरानी प्रणाली को चरणबद्ध रूप से लागू करने के लिए मुख्य सचिव पाक्षिक रूप से बैठक करें। साथ ही, वेब्रिज ऑटोमेशन एवं वाहन टेकिंग सिस्टम से संबंधित मॉडयूल को शीघ्र पूर्ण किया जाए। वहीं, खान विभाग एवं परिवहन विभाग आपसी समन्वय से पोर्टल का शीघ्र इंटीग्रेशन करें, जिससे खनिज परिवहन की वास्तविक समय निगरानी एवं ओवरलोडिंग नियंत्रण किया जा सके।

न्यू एज कोर्स के कनवर्जेन्स पर दें जोर—

मुख्यमंत्री ने कौशल विकास कार्यक्रम के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की जिला कौशल समितियों को और अधिक सक्रिय करने के भी निर्देश दिए। साथ ही, न्यू एज कोर्स का कनवर्जेन्स करने तथा जिलों में स्किल गैप कवर करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष में 1 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कालीबाई भील उड़ान योजना के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को निःशुल्क सेनेटरी नेपकिन वितरण के लिए वितरण केन्द्रों पर सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष ने पूर्व अध्यक्ष बिश्नोई को उनकी जयंती पर दी पुष्पांजलि

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को प्रातः विधान सभा भवन में राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पूनम चंद बिश्नोई की जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। देवनानी ने कहा कि स्व. पूनम चंद बिश्नोई ने 7 जुलाई 1980 से 20 मार्च 1985 तक राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सदन की गरिमा, निष्पक्षता एवं संसदीय परंपराओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल में विधान सभा की कार्यवाही अनुशासित, मर्यादित एवं प्रभावी रूप से संचालित हुई जो आज भी प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर विधान सभा में प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, विधायकगण प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के शर्मा सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

सूर्य किरण और सारंग ने हैरतअंगेज करतबों से जयपुरवासियों को किया रोमांचित

-जल महल पर भारतीय वायु सेना का भव्य एरोबैटिक डिस्प्ले आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में शुक्रवार को जल महल पर भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और शौर्य का अद्‌त प्रदर्शन हुआ। भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित ब्रांड एंबेसडर सूर्य किरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने अपने हैरतअंगेज करतबों से हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सेना के वरिष्ठ अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। जल महल की पाल से खुले आसमान में सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने अपने पांच रंग-बिरंगे हेलिकॉप्टरों के साथ सटीकता और सामूहिक समन्वय का अद्‌त प्रदर्शन किया। आसमान में सधे हुए अंदाज़ में उड़ते हेलिकॉप्टरों ने जटिल संरचनाएँ बनाईं और हैरतअंगेज एरियल मूवमेंट्स प्रस्तुत कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। हेलिकॉप्टरों की सटीक दूरी, संतुलन और तालमेल भारतीय वायु सेना के अनुशासन एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का जीवंत उदाहरण रहा, जिसकी दर्शकों ने जमकर सराहना की। इसके पश्चात जब लाल-सफेद रंग के आकर्षक Hawk Mk-132 जेट विमानों ने उड़ान भरी तो वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने लूप, बैरल रोल, उलटी उड़ान, फॉर्मेशन फ्लाइंग तथा लोकप्रिय 'डीएनए' संरचना जैसे जटिल और रोमांचक करतबों का प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। आकाश में लहराते तिरंगे रंगों ने दर्शकों के मन में गर्व और देशभक्ति का भाव भर दिया। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के तीन प्रतिभाशाली पायलट विंग कमांडर राजेश काजला, विंग कमांडर अंकित वशिष्ठ और स्क्वाड्रन लीडर संजेश सिंह जयपुर के ही निवासी हैं। अपने गृह नगर में साहस, हुनर और कौशल का प्रदर्शन करना उनके लिए विशेष गौरव का क्षण रहा। दर्शकों ने जांबाज पायलटों के सम्मान में खड़े होकर तालियों से उनका अभिनंदन किया। यह आयोजन विशेष रूप से युवाओं और एनसीसी कैडेट्स के लिए प्रेरणास्रोत बना। कार्यक्रम ने उनमें देशभक्ति, साहस और सैन्य सेवा के प्रति उत्साह का संचार किया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इसे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया। रविवार, 22 फरवरी को जल महल पर एरोबैटिक डिस्प्ले का मुख्य एवं विस्तृत आयोजन किया जाएगा, जिसमें और भी भव्य हवाई करतब देखने को मिलेंगे।

संवाद से सशक्त होगा विकास का खाका: जेडीए ने शुरू किया 'संवाद' स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन कार्यक्रम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा सहभागितापूर्ण और पारदर्शी शहरी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'संवाद' स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस पहल के तहत जेडीए विभिन्न हितधारकों के साथ नियमित संवाद स्थापित कर उनके सुझाव एवं समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम का प्रथम सत्र 'मंथन' सभागार में आयोजित हुआ। इस अवसर पर जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने उपस्थित स्टेकहोल्डर्स की समस्याएं, सुझाव एवं फीडबैक गंभीरता से सुने तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त महाजन ने कहा कि जेडीए आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने तथा विकास कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। 'संवाद' कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त सुझावों के आधार पर प्रक्रियाओं को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े स्टेकहोल्डर्स ने भाग लेकर अपने सुझाव साझा किये।

त्वरित समाधान से खिले चेहरे—

कार्यक्रम में पधारे लोगों ने अपनी लीज, आरक्षण पत्र, पट्टा आदि की समस्याएं भी आयुक्त से साझा की जिन्हें महाजन ने क्रमवार सुनकर संबंधित उपायुक्त को समयबद्ध तरीके से समाधान करने के निर्देश दिए। अपनी समस्याओं का हाथो हाथ निवारण मिलने से कार्यक्रम में पधारे लोगों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने जेडीए की इस जनहितेशी पहल पर संतोष व्यक्त किया। जेडीए द्वारा 'संवाद' कार्यक्रम के ऐसे सत्र प्रत्येक माह आयोजित किए जाएंगे, जिससे शहरी विकास कार्यों में आमजन की भागीदारी को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

शाहपुरा रोड सुधार कार्य जारी: कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा का जनहित अभियान निरंतर प्रगति पर

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा के नगर परिषद् वार्ड न 22 व 23 की मुख्य सड़क पर लंबे समय से व्याप्त जर्जर स्थिति को सुधारने के लिए प्रारंभ किया गया जनहित कार्य अब निरंतर रूप से आगे बढ़ रहा है। कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा, राष्ट्रीय महासचिव, ऑल इंडिया किसान कांग्रेस द्वारा अपने निजी संसाधनों से प्रारंभ करवाया गया सड़क मरम्मत अभियान अब अगले चरण में प्रवेश कर चुका है। ज्ञात हो कि वर्षों से गड्ढों और टूटी सड़क के कारण आमजन, व्यापारी वर्ग और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। दुर्घटनाओं की आशंका और यातायात अव्यवस्था ने जनजीवन को प्रभावित कर रखा था। पूर्व में प्रारंभ किए गए मरम्मत कार्य से राहत अवश्य मिली, परंतु व्यापक समाधान हेतु अब कार्य को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में सड़क के शेष हिस्सों की समतलीकरण प्रक्रिया, गड्ढों का स्थायी भराव एवं मजबूतीकरण का कार्य निरंतर प्रगति पर है। स्थानीय नागरिकों द्वारा भी इस पहल की सराहना की जा रही है और इसे जनप्रतिनिधि की संवेदनशीलता का प्रतीक बताया जा रहा है। कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने कहा - "जनता की समस्या किसी फाइल की मोहताज नहीं होनी चाहिए। जब तक शाहपुरा की सड़कों को पूर्ण रूप से सुरक्षित और सुगम नहीं बनाया जाता, यह कार्य निरंतर चलता रहेगा। जनहित हमारा संकल्प है, और यह अभियान केवल शुरुआत है।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी क्षेत्र की अन्य मूलभूत समस्याओं—जैसे जल निकासी, स्ट्रीट लाइट एवं सार्वजनिक सुविधाओं—के समाधान हेतु इसी प्रकार के जनसहयोग आधारित कार्य निरंतर किए जाएंगे। यह पहल न केवल सड़क सुधार तक सीमित है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि सच्ची राजनीति जनसेवा के निरंतर संकल्प से चलती है, न कि केवल घोषणाओं से। शाहपुरा में चल रहा यह अभियान जनप्रतिनिधित्व की सकारात्मक और सक्रिय भूमिका का उदाहरण बन रहा है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की पहल लाई रंग

- घुमंतु, अर्ध घुमंतु समुदाय (डीएनटी) के 12,455 लाभार्थियों को मिली पहचान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में 12 जनवरी से 15 फरवरी तक संचालित शिविरों में घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु (डीएनटी) समुदाय के 12 हजार 455 व्यक्तियों को पहचान पत्र जारी किए गए। सामाजिक न्याय एवं आधिकारिक मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उनके उत्थान और उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए लगभग एक महीने के शिविर सभी जिलों में संचालित किए गए। शिविरों में कुल 17 हजार 21 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका परीक्षण कर 12 हजार 455 व्यक्तियों को

शिविरों में पहचान पत्र जारी कर दिए गए। शेष का परीक्षण किया जा रहा है और प्रक्रियाधीन है। गहलोत ने बताया कि प्रदेश में सर्वाधिक गंगानगर जिले में 1884, पाली में 1286, बीकानेर में 1263, अजमेर में 1006, अलवर में 969 समुदाय के लोगों को पहचान पत्र जारी किए गए। उन्होंने बताया कि शिविरों में ई-मित्र के माध्यम से निःशुल्क आवेदन की सुविधा प्रदान की गई थी। साथ ही अधिकारियों को मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र एवं मूल निवास प्रमाण पत्र आदि बनवाकर मदद के लिए भी नियोजित किया गया था। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से समुदाय के अधिकाधिक व्यक्तियों को राज्य एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का उद्देश्य सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया सतत जारी रखी जाएगी, ताकि समुदाय सरकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से उठा सके।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-3 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 4 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी नगर मोड़ से नगर निगम मुख्यालय टोंक रोड़ तक, जेके लोन अस्पताल, बांगड़ से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 3 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 4 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी नगर मोड़ से नगर निगम मुख्यालय टोंक रोड़ तक, जेके लोन अस्पताल, बांगड़ से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 4 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 3 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

भांकरोटा 132 केवी जीएसएस पर करंट लगने से कर्मचारी विद्यानंद झा शहीद हुए

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। भांकरोटा 132 केवी जीएसएस पर करंट लगने से कर्मचारी विद्यानंद झा शहीद हो गए। इस पर आर के मीणा, दिनेश कुमावत, मोहम्मद यूसुफ कुरैशी, हाजी मोहम्मद मेहराज, चक्रवती शर्मा, पवन यादव, मनीष सोनी, महेश किराड़, सत्यनारायण शर्मा, रमजान खान, अकील खान, रमेश वर्मा, इस्लाम खान, ताहिर खान, रफ़ीक़ खान आदि ने शोक व्यक्त किया हैं।

राज्यपाल बागडे ने सनातन मंगल महोत्सव एवं दीक्षा दान समारोह में शिरकत की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सनातन मंगल महोत्सव को एतिहासिक आयोजन बताते हुए कहा कि सनातन संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन और समावेशी सोच रखने वाली है। इस तरह के आयोजन सनातन संस्कृति को मजबूत बनाने वाले है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई ताकत नहीं है जो सनातन संस्कृति के प्रति हमारी श्रद्धा और भक्ति को मिटा सके। इसी श्रद्धा के कारण ये संस्कृति सुरक्षित है । महाभारत और रामायण जैसे ग्रन्थ इसी सनातन संस्कृति के प्रतीक हैं। राज्यपाल बागडे ने शुक्रवार को हरिशेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर भीलवाड़ा के तत्वावधान में आठ दिवसीय सनातन मंगल महोत्सव एवं दीक्षा दान समारोह में शिरकत की। उन्होंने वहाँ श्रीमद भागवत महापुराण कथा श्रवण कर श्रद्धालुओं को संबोधित किया। राज्यपाल ने कहा कि आठवीं सदी से ही सनातन संस्कृति को नष्ट करने के कई प्रयास होते रहे लेकिन आक्रमणकारी कभी सफल नहीं हो पाए। हमारे साधु संतों के सनातन संस्कृति ओर धर्म को बचाने का कार्य करने से ये सदा सुरक्षित रही। राज्यपाल ने व्यास पीठ पर विराजित श्रीधाम वृन्दावन के कथा व्यास डॉ. श्यामसुन्दर पाराशर का अभिनंदन करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। राज्यपाल ने सनातन मंगल महोत्सव के तहत हो रहे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का अवलोकन किया। उन्होंने विश्व शांति, सर्व संकट निवारण एवं विश्व कल्याण की भावना से प्रतिदिन हो रहे वैदिक अग्नि अनुष्ठान पंचकुण्डीय विष्णु महायज्ञ, अष्टोतर शत (108) भागवत मूल पाठ एवं शतचण्डी, अनवरत अखण्ड श्रीमद् भगवतगीता पाठ, रामचरितमानस पाठ, श्रीचंद सिद्धांत सागर पाठ, अखण्ड रामनाम संकीर्तन स्थल का अवलोकन किया। उन्होंने इस भव्य आयोजन की सफलता के लिए मंगल कामना की।

मुख्य सचिव ने किया स्वास्थ्य भवन का निरीक्षण, साफ-सफाई व प्रबंधन में सुधार को सराहा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार प्रातः स्वास्थ्य भवन पहुंचकर मुख्य भवन एवं एनएचएम भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण करने के साथ ही कार्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विगत दिनों में स्वास्थ्य भवन में हुए सुधारों की सराहना की। मुख्य सचिव प्रात: 9.30 बजे स्वास्थ्य भवन पहुंचे। उन्होंने मुख्य भवन एवं एनएचएम भवन का निरीक्षण करते हुए कार्मिकों की बैठक व्यवस्था, कार्यालयों में साफ-सफाई एवं कार्यालय प्रबंधन व्यवस्थाओं का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने भवन में स्वच्छता, अनुपयोगी सामान के निस्तारण, कामकाज एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विगत निरीक्षण में दिए गए निर्देशों की पालना पर सराहना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने इसे निरंतर बनाए रखने और साफ-सफाई, रंग-रोगन आदि को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ भी साथ रहीं और कार्यप्रणाली आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

राज हेल्थ पोर्टल की ली जानकारी

मुख्य सचिव ने पहले प्रथम तल पर निदेशक जन-स्वास्थ्य विंग एवं एनएचएम विंग का निरीक्षण किया। इसके बाद दूसरे तल पर परियोजना निदेशक एनएचएम कार्यालय, एनएचएम एचआर विंग में जाकर अवलोकन किया। तृतीय विंग पर राजहेल्थ पोर्टल अनुभाग एवं विधि विंग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पोर्टल के माध्यम से संचालित मानव संसाधन सूचना प्रणाली तथा अन्य डिजिटल मॉड्यूल्स की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने राज हैल्थ पोर्टल के माध्यम से राज्य के समस्त स्वास्थ्य कार्मिकों एवं अधिकारियों के ई-सर्विस रिकॉर्ड, ऑनलाइन अवकाश प्रबंधन, पदस्थापन स्थिति संधारण तथा अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण कार्यप्रणाली का भी अवलोकन किया और पारदर्शिता के लिए किए जा रहे इन नवाचारों को सराहा।

डिजिटल नवाचारों को दें प्रोत्साहन

वी. श्रीनिवास ने राज हेल्थ पोर्टल की उपयोगिता एवं पारदर्शिता की सराहना करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि डिजिटल प्रणाली के माध्यम से कार्यों के निष्पादन में और अधिक दक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र में डिजिटल नवाचारों को प्रोत्साहित किए जाने पर बल दिया ताकि राज्य के स्वास्थ्य तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

अनुपयोगी सामान का हुआ निस्तारण

प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने विगत दो वर्ष में करीब 35 हजार पदों पर मिशन मोड में भर्तियां पूरी की हैं। इन भर्तियों में नवचयनित अभ्यर्थियों को राज हेल्थ पोर्टल के माध्यम से ही वरीयता के आधार पर पदस्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि 28 जनवरी को मुख्य सचिव के निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों की अनुपालना में स्वास्थ्य भवन में पड़ी अनुपयोगी सामग्री एवं पत्रावलियों का निस्तारण किया गया है। साथ ही कॉरिडोर्स की साफ-सफाई के साथ-साथ लगभग 150 से अधिक बेकार आलमारियां, 50 से अधिक टेबल-कुर्सियां व रैक्स आदि को भी निस्तारित कर दिया गया है। इसके अलावा खराब व खुले पड़े बिजली के तारों को दुरूस्त किया गया है। स्वास्थ्य भवन के कॉरिडोर्स में जन-कल्याणकारी योजनाओं की आईईसी सामग्री भी प्रदर्शित की गयी है। निरीक्षण के दौरान मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित यादव, अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, परियोजना निदेशक एनएचएम श्रीमती प्रिया भार्गव सहित अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

आवश्यक नम्बर — रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

7 एसजीएम में नशे के खिलाफ जागरूकता नाटक कार्यक्रम आयोजित

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। कलक्टर डॉ. मंजू एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत 7 एसजीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों के विरुद्ध नाटक कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सूरतगढ़ द्वारा डिजिटल साक्षरता व साइबर फ्रॉड से कैसे बचे पर सशक्त संदेश के लिए नाटक आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से डिजिटल साक्षरता, साइबर धोखाधड़ी व नशे की भयावह सच्चाई को प्रस्तुत किया।

सहीराम, विक्रम ज्याणी ने दिखाया कि किस प्रकार युवा ऑनलाइन गेमिंग के जरिये जीवन खराब कर रहे है और उसके साथ कैसे नशा आज पढ़ाई, परिवार की खुशियाँ और भविष्य तीनों को एक-एक कर निगल जाता है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का अवसर बनकर सामने आया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रधानाचार्य श्रीमती रेणु ने विद्यार्थियों से कहा कि आज के समय में डिजिटल हमारे लिए सुविधा है, इसकी निरक्षरता अभिशाप बन सकती है और नशा कोई फैशन या पलायन का रास्ता नहीं, बल्कि धीरे-धीरे मौत की ओर ले जाने वाली गहरी खाई है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे गलत संगति से दूर रहें, अपने लक्ष्य तय करें और कठिन समय में माता-पिता व शिक्षकों से खुलकर बात करें। जीवन की सबसे बड़ी जीत खुद पर जीत है। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने इस पहल को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ जीवन मूल्यों की समझ भी उतनी ही जरूरी है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी विद्यार्थियों ने डिजिटल साक्षरता व साइबर सुरक्षा एवं नशे से दूर रहने और अपने साथियों को भी इसके दुष्प्रभावों से बचाने की शपथ ली।

कांग्रेस नेता के प्रयास से गरीब परिवार की बेटी की शादी में मिला सहयोग

-भामाशाह ने उठाया शादी का पूरा खर्च, ग्रामवासियों ने किया समर्थन

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पाखर चौड़ाकी में एक गरीब परिवार की बेटी पिंकी बैरवा की शादी का सम्पूर्ण खर्चा कांग्रेस जिला महासचिव अशोक बैरवा के आग्रह पर भामाशाह रामचन्द्र प्रधान के द्वारा वहन किया गया। इस अवसर पर समस्त युवा टीम पाखर चौड़ाकी के ग्राम वासियों का भरपुर सहयोग व समर्थन मिला। सभी ने मिलकर अध्यक्ष के इस कार्य को सराहा और प्रशंसा की। ग्रामवासियों ने कहा कि यह एक बहुत ही सराहनीय कार्य है और इससे गरीब परिवार की बेटी की शादी में बहुत मदद मिली है। कांग्रेस जिला महासचिव अशोक बैरवा ने कहा कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है और हमें गरीब परिवारों की मदद के लिए हमेशा आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि भामाशाह रामचन्द्र प्रधान का बहुत आभार है जिन्होंने इस गरीब परिवार की मदद के लिए आगे आकर सहयोग किया है। इस अवसर पर भामाशाह रामचन्द्र प्रधान ने कहा कि यह उनका कर्तव्य है और वे हमेशा गरीब परिवारों की मदद के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमें समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हमेशा सुझाव देते हैं कि हमें गरीब परिवारों की मदद के लिए हमेशा आगे आना चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए। ग्रामवासियों ने बताया कि पिंकी बैरवा के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है और उसके पिता मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उन्होंने कहा कि भामाशाह रामचन्द्र प्रधान के सहयोग से पिंकी की शादी बहुत अच्छे से हो पाएगी। इस अवसर पर समस्त युवा टीम पाखर चौड़ाकी के सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने भामाशाह रामचन्द्र प्रधान का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे हमेशा गरीब परिवारों की मदद के लिए तैयार हैं। इस खबर को सुनकर ग्रामवासियों में बहुत खुशी है और वे भामाशाह रामचन्द्र प्रधान के इस कार्य को हमेशा याद रखेंगे। ग्राम पाखर चौड़ाकी में गरीब परिवार की बेटी की शादी में मिला सहयोग। ग्राम पाखर चौड़ाकी में एक गरीब परिवार की बेटी पिंकी बैरवा की शादी का सम्पूर्ण खर्चा कांग्रेस जिला महासचिव अशोक बैरवा के आग्रह पर भामाशाह रामचन्द्र प्रधान के द्वारा वहन किया गया। इस अवसर पर समस्त युवा टीम पाखर चौड़ाकी के ग्राम वासियों का भरपुर सहयोग व समर्थन मिला। सभी ने मिलकर अध्यक्ष के इस कार्य को सराहा और प्रशंसा की। ग्रामवासियों ने कहा कि यह एक बहुत ही सराहनीय कार्य है और इससे गरीब परिवार की बेटी की शादी में बहुत मदद मिली है। कांग्रेस जिला महासचिव अशोक बैरवा ने कहा कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है और हमें गरीब परिवारों की मदद के लिए हमेशा आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि भामाशाह रामचन्द्र प्रधान का बहुत आभार है जिन्होंने इस गरीब परिवार की मदद के लिए आगे आकर सहयोग किया है।

इस अवसर पर भामाशाह रामचन्द्र प्रधान ने कहा कि यह उनका कर्तव्य है और वे हमेशा गरीब परिवारों की मदद के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमें समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हमेशा आगे आना चाहिए। ग्रामवासियों ने बताया कि पिंकी बैरवा के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है और उसके पिता मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उन्होंने कहा कि भामाशाह रामचन्द्र प्रधान के सहयोग से पिंकी की शादी बहुत अच्छे से हो पाएगी। इस अवसर पर समस्त युवा टीम पाखर चौड़ाकी के सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने भामाशाह रामचन्द्र प्रधान का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे हमेशा गरीब परिवारों की मदद के लिए तैयार हैं।

10 दिवसीय नि:शुल्क क्षारसूत्र अतरंग शल्य चिकित्सा शिविर का हुआ समापन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में राष्ट्रीय आयुष मिशन व आयुर्वेद विभाग के तत्वाधान में आयोजित किए जा रहे 10 दिवसीय निःशुल्क क्षारसूत्र अतरंग शल्य चिकित्सा शिविर का शुक्रवार को समापन हुआ। शिविर प्रभारी डॉ. मनीराम शर्मा ने बताया कि शिविर में आयुर्वेद पद्धति से पाइल्स, फिस्टुला, फिशर के मरीजों की क्षारसूत्र से शल्य चिकित्सा से लगभग 105 रोगियों ने लाभ उठाया। शिविर के सह संयोजक डॉ. ओमप्रकाश चोयल ने बताया कि समापन समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त निदेशक बीकानेर के डॉ. राधेश्याम शकरवाल थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. राधेश्याम ने बताया कि इस 10 दिवसीय शिविर का जिलेवासियों ने भरपूर लाभ उठाया। उपनिदेशक डॉ. सत्यवीर सहारण ने शिविर को सफलतापूर्वक संचालन करने पर अधिकारियों- कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने शिविर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रशस्ति-पत्र व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान डॉ. रामकृष्ण शर्मा, डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. पंकज पोटलिया, डॉ. हरवीर सिंह सांगवा, डॉ. सरोज, डॉ. अजय कौशिक, डॉ. शक्ति आसेरी, ओमप्रकाश सैनी, प्रीति, स्वाती, मक्खन लाल, सुरेंद्र, पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

घरेलू एलपीजी सिलेण्डर के दुरुपयोग पर रसद विभाग ने की कार्यवाही

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। रसद विभाग द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेण्डर के दुरुपयोग पर कार्यवाही की गई। जिला रसद अधिकारी श्रीमती कविता सिहाग ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. मंजू के निर्देशानुसार घरेलू एलपीजी सिलेण्डर के व्यवसायिक दुरुपयोग की गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु 16 फरवरी 2026 से जारी विशेष अभियान के तहत विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच करते हुए कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान विभागीय टीमों द्वारा 2 कार्यवाहियां करते हुए 16 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर का दुरुपयोग पाया गया। इस दौरान घड़साना में दो जगह कार्यवाही करते हुए 16 सिलेण्डर जब्त किये गये एवं रावला मण्डी में एजेंसी की जांच की गई।

कांग्रेस नेताओं के इशारे पर चल रहा घमुड़वाली थाना, CI राजेंद्र सिंह पर गंभीर आरोप

-घमुड़वाली में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल, CI पर पक्षपात और मारपीट के आरोप

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/घमुड़वाली (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस पार्टी के एक स्थानीय नेता के दबाव में कार्रवाई करने के आरोपों ने घमुड़वाली क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि घमुड़वाली थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की और यह कार्रवाई कथित रूप से राजनीतिक दबाव में की गई।

युवक के साथ बेरहमी से मारपीट का आरोप:-

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के एक युवक को थाने में लाकर उसके साथ कथित रूप से मारपीट की गई। परिजनों का कहना है कि युवक का किसी भी विवाद से संबंध नहीं था लेकिन कांग्रेस नेता ने अपनी रंजिश निकालने के लिए थाना प्रभारी के साथ मिलकर युवा को थाने लाकर पूछताछ के नाम पर पीटा गया। घटना के बाद युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा।

ग्रामीणों में आक्रोश:-

ग्रामीणों का आरोप है कि घमुड़वाली थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह, कांग्रेस नेताओं के इशारे पर काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि आम परिवादी घंटों थाने में अपनी शिकायत लेकर इंतजार करते रहते हैं, लेकिन थाना प्रभारी अक्सर राजनीतिक नेताओं के साथ बैठकों और गपशप में व्यस्त रहते हैं। इससे आम जनता को न्याय पाने में कठिनाई हो रही है।

कई बार हो चुकी शिकायत:-

स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना प्रभारी की कार्यशैली को लेकर पहले भी कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है। बावजूद इसके अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों को नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे पुलिस प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

निष्पक्ष जांच की मांग:-

ग्रामीणों और परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि पुलिस पर कांग्रेस का राजनीतिक दबाव हावी रहेगा तो आम नागरिकों का भरोसा कानून व्यवस्था से उठ जाएगा। उन्होंने संबंधित उच्चाधिकारियों से अपील की है कि मामले की स्वतंत्र जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। फिलहाल पुलिस प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। क्षेत्र में घटना को लेकर तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

महवा विधायक राजेंद्र मीना ने विधानसभा में भगवान विश्वकर्मा जयंती पर राजकीय अवकाश घोषित करने की रखी मांग

शफीक अली

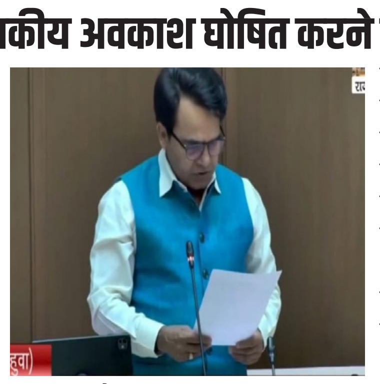

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा विधानसभा से विधायक राजेंद्र मीणा ने शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में नियम 295 के अंतर्गत जांगिड़ ब्राह्मण समाज एवं समस्त शिल्पकार वर्ग के आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती (माघ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी) पर राजकीय अवकाश घोषित किए जाने संबंधी विशेष उल्लेख प्रस्ताव प्रस्तुत किया। विधायक राजेंद्र मीना ने अपने वक्तव्य में कहा कि भगवान विश्वकर्मा जी सृष्टि के दिव्य शिल्पकार माने जाते हैं। प्रदेश एवं देशभर के कारीगर, शिल्पकार, इंजीनियर तथा औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े सभी वर्ग विश्वकर्मा जयंती पर श्रद्धा, हवन एवं उत्सव के साथ भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा अर्चना के साथ उनकी जयंती मनाते है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विभिन्न समाजों एवं महापुरुषों की जयंती पर राजकीय अवकाश घोषित कर जनभावनाओं का सम्मान किया गया है। इसी क्रम में जांगिड़ ब्राह्मण समाज की यह न्यायोचित एवं सम्मानजनक मांग है कि भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती पर भी राजकीय अवकाश घोषित किया जाए। विधायक राजेंद्र मीना ने अध्यक्ष महोदय के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आग्रह किया कि प्रदेश की जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस मांग को स्वीकार कर समाज को सम्मान प्रदान करें। राजेंद्र मीना ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार सकारात्मक निर्णय लेकर जांगिड़ समाज व शिल्पकारों इंजीनियरों की भावनाओं का सम्मान करेगी।

छ: साल के अरसलान ने रखा पहला रोजा

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। रमज़ान की पाकीज़ा फ़िज़ाओं में, जब सहर की ख़ामोशी इबादत से हमक़दम होती है, तब कुछ ऐसे नूरानी लम्हात जन्म लेते हैं जो दिलों पर हमेशा के लिए नक़्श हो जाते हैं। ऐसा ही एक रूह-परवर मंज़र उस वक़्त सामने आया, जब मेड़ता निवासी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आरिफ़ मोयल के नन्हे फ़र्ज़ंद अरसलान मोयल ने महज़ छह बरस की उम्र में पहला रोज़ा रखकर भूख और प्यास की सख़्ती को सब्र, यक़ीन और ईमान की मासूम मगर गहरी तफ़सीर में बदल दिया। दिन भर की भूख ने उसे शुक्र सिखाया और प्यास ने एहसास—कि रोज़ा सिर्फ़ खाने-पीने से रुकने का नाम नहीं, बल्कि ख़ुद को समझने और दूसरों के दर्द को महसूस करने का अमल है। इस मुकद्दस घड़ी के गवाह बने ख़ानदान के सायादार बुज़ुर्ग—दादू सराजुद्दीन मोयल और दादी बसीरन बानो, जिनकी दुआओं की ठंडक और मोहब्बत की छाँह ने अरसलान के हौसले को और मज़बूती बख़्शी। साथ ही बड़े भाई अफ़्फ़ान मोयल की मौजूदगी ने इस पहले रोज़े को ख़ुशी, अपनाइयत और हिम्मत की रौशनी अता की। पहले रोज़े के साथ अरसलान ने नन्हे हाथ उठाकर सिर्फ़ अपने लिए नहीं, बल्कि समाज में अमन, भाईचारे, चैन और सुकून के लिए दुआ माँगी—गोया भूख और प्यास की ख़ामोशी ने इंसानियत से दिल की ज़बान में गुफ़्तगू कर ली हो। रब्बे-करीम से दुआ है कि वह अरसलान को नेक सेहत, बुलंद किरदार और इल्म-ओ-हिकमत की दौलत से मालामाल फ़रमाए, उसकी मासूम दुआओं को मक़बूल करे और उसे अपने ख़ानदान के लिए फ़ख़्र और आँखों की ठंडक बना।

घमुड़वाली थाना क्षेत्र में बढ़ता नशे का प्रकोप, दो माह में 90% बढ़ा ग्राफ

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/घमुड़वाली (रॉयल पत्रिका)। घमुड़वाली थाना क्षेत्र में नशे का कारोबार लगातार पैर पसारता जा रहा है। पिछले दो महीनों में नशे के मामलों में लगभग 90 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे क्षेत्र के लोगों में गहरी चिंता व्याप्त है। हालात यह हैं कि अब गली-गली और मोहल्लों में खुलेआम नशीले पदार्थों की बिक्री होने लगी है।

दो माह में नहीं हुई प्रभावी कार्रवाई:-

यदि बात की जाए घमुड़वाली थाना क्षेत्र की, तो स्थानीय लोगों का आरोप है कि घमुड़वाली पुलिस ने पिछले दो माह में नशे के खिलाफ किसी भी प्रकार की प्रभावी और ठोस कार्रवाई नहीं की। न तो बड़े स्तर पर छापेमारी की गई और न ही नशा तस्करों पर कोई सख्त शिकंजा कसा गया। इसी निष्क्रियता को नशा कारोबारियों के हौसले बुलंद होने का मुख्य कारण माना जा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि कई बार शिकायतें देने के बावजूद अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए। इससे आम जनता में असंतोष और असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

गली-गली बिक रहा नशा:-

सूत्रों के अनुसार क्षेत्र में चिट्टा, गांजा, अवैध शराब और अन्य नशीले पदार्थ आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। छोटे-छोटे पैकेट्स में नशा युवाओं तक पहुंचाया जा रहा है। नशा तस्करों ने अपनी जड़ें इस कदर मजबूत कर ली हैं कि वे अब बेख़ौफ होकर काम कर रहे हैं।

युवा पीढ़ी पर गंभीर असर:-

नशे का सबसे अधिक प्रभाव युवा वर्ग पर पड़ रहा है। स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र भी इसकी चपेट में आते दिखाई दे रहे हैं। कई परिवार अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। समाज के जिम्मेदार लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और भयावह हो सकती है।

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग:-

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाई जाए, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाए और बड़े स्तर पर अभियान चलाकर नशा तस्करों के नेटवर्क को तोड़ा जाए। साथ ही जनजागरूकता अभियान चलाकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जाए। घमुड़वाली थाना क्षेत्र में नशे का बढ़ता ग्राफ और पिछले दो महीनों में प्रभावी कार्रवाई का अभाव एक गंभीर सामाजिक और कानून-व्यवस्था से जुड़ा मुद्दा बन चुका है। यदि प्रशासन ने जल्द सख्त कदम नहीं उठाए, तो यह समस्या आने वाले समय में और विकराल रूप ले सकती है। अब आवश्यकता है ठोस कार्रवाई और सामूहिक प्रयास की, ताकि क्षेत्र को नशामुक्त बनाया जा सके।

माय भारत युवा मंडल विकास अभियान को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। मेरा युवा भारत, चूरू के तत्वावधान में शुक्रवार को माय भारत युवा मंडल विकास अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ जिला खेल स्टेडियम से किया गया। जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत द्वारा अभियान को हरी झंडी दिखाकर औपचारिक रूप से रवानगी दी। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे अभियान युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अभियान को सफल बनाने और समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने का आह्वान किया। इस अभियान के तहत आगामी 05 दिनों तक विभिन्न गांवों में जाकर युवाओं को संगठित कर युवा मंडलों का गठन किया जाएगा तथा उन्हें सामाजिक व राष्ट्र निर्माण गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत टीम के सदस्यों, स्वयंसेवकों एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही और सभी ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान महेश कुमार सैनी, सुरेंद्र, मनीष, संदीप सैनी, शहजाद अली, हितेश सोनी, नवीन, दिनेश एवं प्रकाश, राकेश सहित अन्य मौजूद रहे।

जिला खेल स्टेडियम में आयोजित हुआ एक दिवसीय दिव्यांग गतिविधि महोत्सव

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। युवा मामले एवं खेल विभाग के निर्देशानुसार जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में शुक्रवार (विश्व सामाजिक न्याय दिवस) को जिला खेल स्टेडियम में एक दिवसीय दिव्यांग गतिविधि महोत्सव (एक दिवसीय समावेशी मनोरंजक गतिविधि कार्यक्रम) का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक नगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि दिव्यांग व्यक्तियों को खेल और गतिविधियों के वातावरण से सहज और सकारात्मक रूप से परिचित कराने के उद्देश्य से गैर-प्रतिस्पर्धी, मनोरंजक और सहभागिता आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, अभिषेक चोटिया, सुरेश सारस्वत, जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत, मधुर स्पेशल शिक्षण प्रशिक्षण संस्था सचिव अंजू नेहरा ने दिव्यांग बच्चों के लिए राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों को खेल के माध्यम से सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाने के प्रयास को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने बताया कि इस एक दिवसीय दिव्यांग गतिविधि महोत्सव में उपस्थित दिव्यांग विद्यार्थियों ने कैरम, चेस, लुडो, पजल्स, रिंग टॉस, बेडमिण्टन, चम्मच रेस, गिलास पिरामिड इत्यादि विविध खेलों में भाग लिया। गतिविधियां पूर्णतया दिव्यांग बच्चों के मनोरंजन एवं उन्हें सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से बिना रैंकिंग, बिना हार - जीत की थीम पर आयोजित की गई। इस दौरान परिवीक्षा एवं कारागृह कल्याण अधिकारी दिनेश कुमार, निजी सहायक पंकज स्वामी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी लाखन सिंह, वरिष्ठ सहायक मनीष जाखड़, सूचना सहायक नरेन्द्र झोरड़, छात्रावास अधीक्षक नरेश कुमार, कनिष्ठ सहायक पवन थालौड़ सहित दिव्यांग विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रामिनवास भुंवाल ने किया।

दिव्यांग गतिविधि महोत्सव में दिव्यांग बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा विश्व सामाजिक न्याय दिवस के उपलक्ष्य में तपोवन मनोविकास विद्यालय परिसर में दिव्यांग गतिविधि महोत्सव मनाया गया, जिसमें जिला स्तर पर 60 से अधिक दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया। इस आयोजन में दिव्यांग बच्चों के गैर-प्रतिस्पर्धी, मनोरंजनात्मक खेलों के माध्यम से आपसी सहभागिता और मेलजोल की भावना को बढ़ाने हेतु किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विरेन्द्र पाल सिंह सेखो ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ तपोवन मनोविकास विद्यालय अध्यक्ष सुमेर मल बोरड, प्रन्यास अध्यक्ष महेश पेड़ीवाल एवं विद्यालय कोषाध्यक्ष मनोज चितलांगिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिले से तपोवन मनोविकास विद्यालय, एलकेसीश्री जगदम्बा अंधविद्यालय, मानसी जनकल्याण समिति व अन्य संस्थाओं से दिव्यांग प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन प्रतिभागियों ने बोच्ची, 100 मीटर दौड़, शतरंज, लुडो, कैरम, टेबल टेनिस, बैडमिन्टन, डिस्क थ्रो आदि खेलों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

माहे रमजान के पहले जुम्मे पर मस्जिदों में रही रौनक सभी ने रोजे रखें और जुम्मे की नमाज अदा की

-जुम्मा सभी दिनों का सरदार कहलाता है और इस दिन में बहुत बरकतें होती हैं- मौलाना नसरुल्लाह अतारी

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। दावत-ए-इस्लामी मरकज फैजाने-इस्के-रसूल मस्जिद में इमाम मौलाना नसरुल्लाह अतारी ने जुम्मा की तकरीर में माहे रमजान की मुबारकबाद पेश करते हुए कहा माहे रमजान का चांद दिखने के साथ ही रोजेदारों ने रोजे रखे । बाजार में भी रौनक बढ़ने लगी इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार साल का नौवां महीना रमजान का होता है इस मुकद्दद माहे रमजान को रहमत और बरकत, इबादत वाला महीना कहा जाता है इस्लाम में जुम्मा (शुक्रवार) को सभी दिनों का सरदार माना गया है, और जब यह पवित्र रमजान महीने में आता है, तो इसकी अहमियत और बरकत कई गुना बढ़ जाती है। माहे रमजान में जुम्मे की मुख्य अहमियत है।

सवाब की अधिकता:

रमजान में हर नेक काम का सवाब (पुण्य) 70 गुना या उससे भी अधिक मिलता है। चूँकि जुम्मा पहले से ही एक मुकद्दस दिन है, इसलिए इस दिन की इबादत, नमाज़ और दान-पुण्य का फल अत्यधिक बढ़ जाता है।

गुनाहों की माफी:

हदीस के अनुसार, एक जुम्मे से दूसरे जुम्मे तक के बीच के छोटे गुनाह माफ कर दिए जाते हैं। रमजान के जुम्मे में सच्चे दिल से की गई तौबा और इबादत अल्लाह की रहमत और मगफिरत (क्षमा) का जरिया बनती है।

दुआओं की कबूलियत:

जुम्मे के दिन एक ऐसी घड़ी (वक्त) आती है जिसमें मांगी गई हर जायज दुआ कबूल होती है। रमजान के रोजे के साथ इस खास वक्त में दुआ करना बेहद फजीलत वाला माना जाता है।

सामुदायिक एकता:

जुम्मे की नमाज़ के लिए मुसलमान बड़ी संख्या में मस्जिदों में जमा होते हैं, जिससे आपसी भाईचारा, एकता और सहानुभूति की भावना मजबूत होती है। जुमातुल विदा (अलविदा जुम्मा): रमजान के आखिरी जुम्मे को 'अलविदा जुम्मा' कहा जाता है। यह दिन रमजान के जाने का अहसास कराता है और मुसलमान इस दिन विशेष प्रार्थनाएँ करते हैं ताकि वे इस पाक महीने की बरकतों को समेट सकें। जुम्मे के दिन के कुछ विशेष कार्य होते है। गुस्ल (स्नान) करना और साफ-सुथरे कपड़े पहनना। सूरह कहफ की तिलावत करना। नबी करीम (स.अ.व.) पर अधिक से अधिक दरूद शरीफ भेजना। गरीबों और जरूरतमंदों की मदद (सदका) करना।

विधायक हरलाल सहारण ने विधानसभा में स्वास्थ्य के मुद्दों को लेकर रखी अपनी बात

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। विधायक हरलाल सहारण ने राजस्थान विधानसभा में स्वास्थ्य के मुददे पर अपनी बात रखते हुऐ कहा कि शास्त्रो में कहा गया है पहला सुख निरोगी काया। इस बात को प्रदेश सरकार ने माना है और भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार ने प्रदेश को एक अच्छी और समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने का संकल्प पिछले दो साल में दिखाया है। उन्होने कांग्रेस की पिछली सरकार पर आरोप लगाते हुऐ कहा कि चूरू में मेडीकल कॉलेज में किसी भी सुविधा के लिए तत्कालीन सरकार ने एक रू. भी नही दिया। उन्होने कहा कि 2017- 18 इस मेडीकल कॉलेज की कल्पना को पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के प्रयासो से साकार किया गया और 117 करोड़ रू. की लागत से इसमें अनेक सुविधाऐं प्राप्त हुई परन्तु सरकार बदलते ही कांग्रेस की सरकार ने इस मेडीकल कॉलेज में एक भी सुविधा में विस्तार नही किया। उन्होने कहा कि वर्तमान सरकार के बनने पर 27 करोड़ रू. इस कॉलेज के लिए आंवटित किये गये जिसके लिए मैं चूरू की जनता की और से सरकार का आभार जताता हूॅ। उन्होने चिकित्सा मंत्री का आभार जताते हुऐ कहा कि पिछली सरकार में मात्र 40 प्रतिशत पदो पर नियुक्तियां हुई थी जिसपर वर्तमान सरकार ने लगभग 55 प्रतिशत पदो पर नियुक्तियां की है। उन्होने कहा कि मैने चिकित्सा मंत्री से अपील की है कि शीध्र ही बाकी नियुक्तियां भी कर दी जाये। इस अवसर पर उन्होने कहा कि भालेरी रोड़ से मेडीकल कॉलेज का रास्त है जिसमें मेडीकल कॉलेज तक जाने के लिए रास्त लम्बा है। इसके लिए उन्होने चिकित्सा मंत्री से मांग करते हुऐ कहा कि इसका रास्त या तो पुलिस लाईन होते हुऐ अथवा एसपी बंगले के सामने से रास्ता निकाला जाये। जिससे आने वाले मरीजो एवम् विद्यार्थियों को सुगम रास्ता मिल सके। उन्होने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुऐ कहा कि इस नवीन अस्पताल में एमआईआर व सीटी स्कैन की सुविधा देने की मांग रखी थी जिसपर इस बजट में स्वीकृति प्रदान की गई है इससे यहां आसपाल के क्षेत्र के लोगो काफी सुविधा मिलेगी। उन्होने कैथ लैब स्वीकृति के लिए आभार जताया इसके लिए उन्होने दो चिकित्सको की नियुक्ति के लिए सरकार से अपील की। उन्होने कहा कि अब चूरू में शानदार चिकित्सीय व्यवस्थाऐं हो रही है जिससे लोगो को सुविधा मिल रही है वही उन्हे आर्थिक बोझ से मुक्ति मिल रही है। उन्होने राज्य सरकार द्वारा नर्सिंग कॉलेज के लिए भूमि आवंटन के लिए आभार जताते हुऐ कहा कि यह भूमि दूर है इसलिए राजकीय बालिका महाविद्यालय के पास पडी चार बीघा जमीन में इसको स्थापित किया जाये। उन्होने इस बारे में शीध्र ही नियुक्तियों की मांग करते हुऐ कहा कि इनकी नियुक्ति शीध्र करने से लोगो को काफी राहत मिलेगी।

सरस्वती ग्रामोत्थान विद्या पीठ के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण: विज्ञान की दुनिया में नई उड़ान

विनोद सोखल

बीझबायला (रॉयल पत्रिका)। सरस्वती ग्रामोत्थान विद्या पीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय, बीझबायला के कक्षा 11 के विज्ञान वर्ग के छात्रों का दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आज सुखदीप बराड़ और रमेश बिश्नोई के नेतृत्व में रवाना हुआ। यह भ्रमण हिसार और कुरुक्षेत्र की प्रमुख वैज्ञानिक और ऐतिहासिक स्थलों पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य छात्रों को किताबी ज्ञान से परे व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। दल को विद्यालय परिसर से प्रधानाचार्य ओमप्रकाश खुडिया, कृषि व्याख्याता सतपाल खुडिया और गणित व्याख्याता आर. पी. नैण ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भ्रमण के दौरान छात्र गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (हिसार), चौधरी चरण सिंह एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (हिसार), पैनोरमा साइंस सिटी (कुरुक्षेत्र), कृष्ण संग्रहालय (कुरुक्षेत्र), कल्पना चावला तारामंडल (कुरुक्षेत्र) और महाभारत युद्ध भूमि (कुरुक्षेत्र) का दौरा करेंगे। इन स्थलों पर छात्रों को विज्ञान, कृषि, अंतरिक्ष और इतिहास से जुड़े नवीनतम विकासों की जानकारी मिलेगी। विद्यालय के प्रबंधक अनिल खालिया ने इस भ्रमण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, "यह शैक्षणिक यात्रा छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जहां वे सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक रूप से समझ सकेंगे। ऐसे भ्रमण न केवल उनकी जिज्ञासा बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें भविष्य के वैज्ञानिक और कृषि विशेषज्ञ बनने के लिए प्रेरित करते हैं। हमारा प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को भी शहरी संस्थानों के बराबर अवसर मिलें।" प्रधानाचार्य ओमप्रकाश खुडिया ने जोड़ा, "विज्ञान शिक्षा में अनुभव-आधारित सीखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह भ्रमण छात्रों को हिसार और कुरुक्षेत्र जैसे प्रमुख केंद्रों से जोड़कर उनकी दृष्टि को व्यापक बनाएगा। हम उम्मीद करते हैं कि इससे छात्रों में नवाचार की भावना जागृत होगी और वे अपने गांव और समाज के विकास में योगदान देंगे।" यह भ्रमण विद्यालय की ओर से छात्रों के समग्र विकास के लिए आयोजित किया गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। छात्रों के दल की सुरक्षित वापसी की कामना करते हुए विद्यालय परिवार ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

पीलीबंगा के सुरावाली में रात्रि चौपाल, जिला कलेक्टर ने किया गोलूवाला सीएचसी का निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण को लेकर राज्य सरकार संवेदनशील है। इसी सिलसिले में प्रत्येक माह ग्राम पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर त्रिस्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जा रही है। इसके साथ ही रात्रि चौपाल के माध्यम से भी आमजन की परिवेदनाओं का निस्तारण किया जा रहा है। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने गुरुवार को पीलीबंगा के सुरावाली ग्राम पंचायत में आयोजित रात्रि चौपाल में जनसुनवाई की। इस दौरान प्राप्त परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिये। रात्रि चौपाल में अधिकारियों ने केंद्र और राज्य सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा योजनाओं से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। जिला कलेक्टर ने रात्रि चौपाल से पहले गोलूवाला सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। सीएचसी में दवा वितरण केंद्र, प्रसव कक्ष, लेबोरेट्री, आपातकालीन कक्ष, पुरुष और महिला वार्डों सहित सभी वार्डों का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

इस मौके पर पीलीबंगा एसडीएम श्रीमती उमा मित्तल, तहसीलदार नवीन गर्ग भी मौजूद रहें।

हरपालसर में स्व. उत्तम सिंह राठौड़ की स्मृति में 21 फरवरी से 27 फरवरी तक श्रीमद् भागवत कथा एवम् नानी बाई का मायरा होगा आयोजित

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। पूर्व प्रशासनिक अधिकारी स्व. उत्तम सिंह राठौड़ की पावन स्मृति में हरपालसर गांव स्थित शिव गौशाला समिति में श्रीमद् भागवत कथा एवम् नानी बाई का मायरा आयोजित होगा जिसमें रिषिकेश के बाल संत भोले बाबा कथा का वाचन करेगे। पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड के द्वारा 21 फरवरी से 27 फरवरी तक प्रातः 10.15 से दोपहर 3.15 तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होगा एवम् सांय 07.30 से रात्री 9.00 बजे तक संत विघ्यासागर जी महाराज के मुखारविन्द से नानी बाई का मायरा भक्तगण कथा श्रवण कर पायेगे जिसमें दयानाथ जी महाराज एवम् निर्मलनाथ जी महाराज का पावन सानिध्य मिलेगा। इसी क्रम में प्रतिदिन प्रातः 05.00 बजे नित्य प्रार्थना एवम् प्रातः 6.00 बजे नित्य प्रभात फैरी आयोजित की जायेगी। 21 फरवरी को प्रातः 08.15 बजे ठाकुरजी मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकलेगी जो कथास्थल तक जायेगी जिसमें सैकड़ो की संख्या में मातृशक्ति मांगलिक कलश लेकर कलश यात्रा में शामिल होगी। प्रतिदिन श्रीमद् भागवतकथा के अनेक प्रसंगो का वाचन होगा जिसके अन्तर्गत 21 फरवरी को श्रीमद् भागवत कथा और सुखदेव जन्म, 22 फरवरी को शुक आगमन परिक्षित चरित्र की कथा, 23 फरवरी को पाण्डव वनवास कथा ओर विदूर जी कथा, 24 फरवरी सती चरित्र और ध्रुव चरित्र की कथा, 25 फरवरी को कृष्ण जन्म और नंदोत्सव, 26 फरवरी को श्री कृष्ण लीला और गौवर्धन लीला, 27 फरवरी को रासलीला रूकमणी विवाह और सुदामा चरित्र की कथा होगी एवम् पूर्णाहुती होगी। इस अवसर पर पूर्वनेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व उनकी धर्मपत्नि चांदकंवर मुख्य यजमान रहेगे। उन्होने कहा कि इस कार्यक्रम में उनकी माता फूल कंवर के आर्शिवाद से लोककल्याण के लिए एवम् गौमाता का आर्शिवाद प्राप्त करने के लिए यह भव्य आयोजन करवाया जा रहा है जिसमें बाहर से आने वाले सभी श्रद्वालुओ की सुविधा के लिए निशुल्क बस सेवा एवम् प्रसाद की समुचित व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी।

100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, पाली के उपनिदेशक डॉ. ज्योति प्रकाश अरोड़ा ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, पाली तथा राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के संयुक्त तत्वाधान में बांगड स्टेडियम पाली में दिव्यांग एक्टिविटी फेस्टिवल कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं जैसे दौड, लम्बी कूद, कैरम, बैडमिन्टन व चित्रकला करवायी गई।

जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग पाली के सहायक निदेशक डॉ. टीना अरोड़ा ने बताया कि शुक्रवार को बांगड स्टेडियम पाली में आयोजित दिव्यांग एक्टिविटी फेस्टिवल कार्यक्रम में 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

चाइल्ड हैल्पलाईन यूनिट पाली के प्रोजेक्ट को-आर्डिनेटर योगेन्द्र सिंह राठौड़ व कांउसलर रेणुका जोशी द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, पाली के उपनिदेशक डॉ. ज्योति प्रकाश अरोड़ा, ए.ए.ओ अंकित शर्मा, यू.डी.सी. दयाराम तथा खेल प्रभारी जलेसिंह एवं करीबन 100 दिव्यांग बालकों और दिव्यांग बाल देखरेख संस्थाओं के कार्मिकों इत्यादि को बाल अधिकारों, बाल विवाह प्रतिषेध, बाल श्रम एवं पॉक्सों अधिनियम की जानकारी दी गयी तथा बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलवाई गई।

अब घुटना बदलवाना हुआ आसान: रोबोटिक सर्जरी से कम दर्द, जल्दी आराम

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर द्वारा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए, उदयपुर शाखा) के सहयोग से सीएमई (सतत् चिकित्सीय शिक्षा) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के विख्यात चिकित्सकों ने भाग लिया। गीतांजली हॉस्पिटल के जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. हरप्रीत सिंह ने "रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी" विषय पर विस्तार से जानकारी विडियो के माध्यम से दी। उन्होंने आधुनिक रोबोटिक तकनीक के माध्यम से घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी में सटीकता, कम दर्द और शीघ्र रिकवरी के लाभों पर प्रकाश डाला। गीतांजली हॉस्पिटल के जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. रामावतार सैनी ने "ऑस्टियोआर्थराइटिस: घुटने से जुड़े मिथक और तथ्य, रोबोटिक्स का नया युग" विषय पर विडियो के माध्यम से व्याख्यान दिया। उन्होंने घुटनों की बीमारी से संबंधित भ्रांतियों को दूर करते हुए रोबोटिक सर्जरी की उपयोगिता एवं भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान रोबोटिक तकनीक से ऑपरेशन करवा चुके रोगियों ने भी अपनी संतुष्टि व्यक्त की तथा अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए। डॉ हरप्रीत सिंह एवं डॉ राम अवतार ने बताया कि रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी की संपूर्ण सुविधाएं प्रदान करने वाला गीतांजली हॉस्पिटल राजस्थान का पहला मेडिकल कॉलेज है| कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएमए उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता ने की, जबकि सचिव डॉ. प्रशांत अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ. प्रशांत अग्रवाल ने दोनों जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जनों की उपलब्धियों से उपस्थित चिकित्सकों को अवगत कराया।वक्ताओं का स्वागत एवं आभार प्रकट करते हुए आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम चिकित्सकों के ज्ञानवर्धन में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित चिकित्सकों ने विशेषज्ञों से विभिन्न जिज्ञासाओं के समाधान प्राप्त किए।

विश्व मातृ दिवस पर राज्य स्तरीय उपवास 21 फरवरी को

-सोजत के राही होंगे कार्यक्रम संयोजक

मोहम्मद यासीन

सोजत (रॉयल पत्रिका)। राजस्थानी युवा लेखक संघ एवं प्रज्ञालय संस्थान द्वारा आगामी 21 फरवरी, 2026 को विश्व मातृभाषा दिवस के अवसर पर हर वर्ष की तरह एक दिवसीय राज्य स्तरीय उपवास 21 फरवरी को रखने का निर्णय लिया गया है। राज्य स्तरीय इस उपवास कार्यक्रम के संयोजक सोजत सिटी पाली के साहित्यकार अब्दुल समद राही को बनाया गया है। राजस्थानी भाषा की संवैधानिक मान्यता एवं प्रदेश की दूसरी राजभाषा बाबत के साथ नई शिक्षा नीति के तहत प्राथमिक स्तर पर राजस्थानी भाषा शिक्षा का माध्यम बने। इन महत्वपूर्ण मांगों के समर्थन में हमेशा उक्त दिवस पर विभिन्न तरह के अहिंसात्मक आंदोलन के उपक्रम संस्थाओं द्वारा आयोजित होते रहे है। राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार एवं राजस्थानी मान्यता आंदोलन के प्रवर्तक कमल रंगा ने बताया कि इस वर्ष भाषा मान्यता एवं शिक्षा के माध्यम के लिए एक दिवसीय राज्य स्तरीय उपवास का आयोजन किया जाएगा। रंगा ने आगे बताया कि दशकों से केन्द्र सरकार के यहां लंबित राजस्थान विधान सभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित राजस्थानी भाषा संवैधानिक मान्यता के प्रस्ताव पर केन्द्र सरकार शीघ्र निर्णय लें, क्योंकि राजस्थानी भाषा संवैधानिक मान्यता के लिए सभी विधिक प्रावधान एवं भाषा वैज्ञानिक मानदंड पूर्ण किए हुए हैं। ऐसी स्थिति में 12 करोड़ से अधिक राजस्थानी के लोगों को उनका वाजब हक शीघ्र मिल सके। इसी तरह राज्य सरकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 345 के तहत राजस्थानी को प्रदेश की दूसरी राजभाषा शीघ्र घोषित करें एवं साथ ही नई शिक्षा नीति के तहत प्राथमिक शिक्षा में राजस्थानी को माध्यम बनावें। रंगा ने बताया कि राज्य स्तरीय इस उपवास कार्यक्रम के संयोजक सोजत सिटी पाली के साहित्यकार अब्दुल समद राही को बनाया गया है। राही द्वारा प्रदेश के विभिन्न कलानुशासन के लोगों को इस उपवास को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर व्यक्तिगत रूप से अनुरोध किया जा रहा है। इसी तरह बीकानेर स्तर पर सहसंयोजक वरिष्ठ शायर क़ासिम बीकानेरी एवं कवि गिरिराज पारीक द्वारा भी संयुक्त रूप से उपवास हेतु व्यक्तिगत रूप से अनुरोध किया जा रहा है।

चौपाल में कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत घोड़ीवारा में शुक्रवार को आयोजित रात्रि चौपाल में जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने ग्रामीणों की जनसुनवाई करते हुए विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर पेयजल, सड़क, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, चिकित्सा सुविधाओं एवं अन्य स्थानीय मुद्दों को उठाया। कलेक्टर डॉ. गर्ग ने प्रत्येक परिवाद को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान करना है, ताकि आमजन को राहत मिल सके। इस अवसर पर जिला परिषद के एसीईओ रामनिवास, जलदाय विभाग के एसई राजपाल सिंह, आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र स्वामी, रोडवेज मुख्य प्रबंधक गिरीराज स्वामी, सीडीईओ अशोक शर्मा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन पूनिया तथा जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने का आश्वासन भी दिया।

रमज़ान 2026: आध्यात्मिक नवीकरण, उपवास और सामुदायिक एकता का महीना

इस्लामी चंद्र कैलेंडर का नौवां महीना रमज़ान, दुनिया भर के मुसलमानों के लिए सबसे पवित्र समय माना जाता है, जो गहन आध्यात्मिक चिंतन, आत्म-अनुशासन और भक्ति का प्रतीक है। 2026 में, यह पवित्र महीना लगभग 18 फरवरी को शुरू हुआ, जब दुनिया भर के मुसलमानों ने सुबह से शाम तक उपवास रखा।

1. आध्यात्मिक महत्व और उत्पत्ति

कुरान का अवतरण: मुसलमानों का मानना है कि पवित्र कुरान सर्वप्रथम पैगंबर मुहम्मद को इसी महीने में अवतरित हुई थी।

इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक: रमजान के दौरान उपवास रखना इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है, जो इसे एक आवश्यक इबादत बनाता है।

पापों का "जलना": "रमजान" शब्द अरबी मूल शब्द रमद से लिया गया है ,जिसका अर्थ है "तीव्र गर्मी" या "धूप में पका हुआ", जो उपवास और पश्चाताप के माध्यम से पापों के जलने का प्रतीक है।

लैलातुल क़द्र (शक्ति की रात): महीने की आखिरी दस रातों में आने वाली यह रात हज़ार महीनों से बेहतर मानी जाती है, जिसमें गहन प्रार्थनाओं का फल मिलता है।

2. मुख्य कार्यप्रणालियाँ और नियम

सौम (उपवास): सुबह (सुहूर) से लेकर सूर्यास्त (इफ्तार) तक, उपवास करने वाले लोग भोजन करने, तरल पदार्थ पीने, धूम्रपान करने और यौन गतिविधि में शामिल होने से परहेज करते हैं।

भोजन से परे संयम: उपवास केवल शारीरिक नहीं है; इसमें गपशप करना, बहस करना, झूठ बोलना, या अनुचित सामग्री में शामिल होना या उसे देखना जैसे नकारात्मक कार्यों से परहेज करना शामिल है।

दैनिक दिनचर्या: दिन की शुरुआत सुहूर (भोर से पहले का भोजन) से होती है और इफ्तार (रोजा खोलने) के साथ समाप्त होती है, जो अक्सर पैगंबर की परंपरा का पालन करते हुए खजूर और पानी के साथ किया जाता है।

तरावीह की नमाज़: मस्जिदों में विशेष रात्रि नमाज़ आयोजित की जाती हैं, जिसके दौरान अक्सर पूरे कुरान का पाठ किया जाता है जो पूरे महीने के दौरान पढ़ा जाता है।

दान (ज़कात और सदक़ा): उदारता पर ज़ोर दिया जाता है, विशेष रूप से महीने के अंत से पहले ज़कात अल-फ़ित्र (गरीबों के लिए दान) देने पर।

3. स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक प्रभाव

शारीरिक विषहरण: उपवास विषहरण में सहायक होता है और रक्तचाप, रक्त शर्करा और बीएमआई को कम करने में कारगर सिद्ध हुआ है।

आंतों का स्वास्थ्य: शोध से पता चलता है कि उपवास का कार्यक्रम (सीमित भोजन अवधि) लाभकारी आंतों के बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देता है।

आध्यात्मिक और मानसिक परिवर्तन: यह धैर्य को बढ़ावा देने, कम भाग्यशाली लोगों के प्रति सहानुभूति रखने और अत्यधिक भोग-विलास की आदतों को तोड़ने का समय है।

4. सामुदायिक और सामाजिक बंधन

इफ्तार समारोह: एक साथ रोज़ा खोलना सामुदायिक संबंधों को मजबूत करता है, जिससे परिवार, दोस्तों और पड़ोसियों के बीच एकता को बढ़ावा मिलता है।

सहानुभूति: दिन के दौरान अनुभव की जाने वाली भूख का उद्देश्य उन लोगों के प्रति करुणा उत्पन्न करना है जो परिस्थितियोंवश खाद्य असुरक्षा से पीड़ित हैं।

5. रमज़ान का समापन: ईद अल-फितर

महीने का समापन नए चांद दिखने के साथ होता है, जो ईद अल-फितर की शुरुआत का प्रतीक है , जो विशेष इबादतों, दान, परिवार के सदस्यों से मिलने और उपहारों के आदान-प्रदान से जुड़ा एक बड़ा उत्सव है।

अजीम खान चिनायटा
प्रदेश मीडिया प्रभारी
मुस्लिम महासभा राजस्थान

'तेरा यार हूं मैं' का फर्स्ट लुक आया सामने...

मुंबई। पिछले साल आई रोमांटिक फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत'के निर्देशक मिलाप जावेरी की नई फिल्म का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी गई है। इस बार मिलाप जावेरी प्यार, दर्द और संगीत की कहानी 'तेरा यार हूं मैं'लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं। मेकर्स ने फिल्म की घोषणा करते हुए एक मोशन पोस्टर जारी किया है। इसमें फिल्म के लीड कलाकार अमन इंद्र कुमार और आकांक्षा शर्मा नजर आ रहे हैं।

लाइफ Style

कनी

कोई नहीं समझ सकता दुष्कर्म पीड़िता का दर्द

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री कनी कुश्रुति ने दुष्कर्म पीड़िता के दर्द को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे फिल्म 'अस्सी'के दौरान उन्हें कानूनी प्रक्रिया को समझने का मौका मिला। हुमा कुरैशी स्टारर हिट वेब सीरीज 'महारानी' में कावेरी के किरदार से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री कनी कुश्रुति जल्द ही अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी'में नजर आएंगी।

इस फिल्म में एक दुष्कर्म पीड़िता का किरदार निभा रही हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की। उनका कहना है कि दुष्कर्म पीड़िता के दर्द को पूरी तरह समझना असंभव है। कनी कुश्रुति ने अपने किरदार को लेकर कहा कि मुझे नहीं लगता कि कोई भी दुष्कर्म पीड़िता के दर्द को हूबहू महसूस कर सकता है। एक अभिनेत्री के रूप में हमने इसके सबसे करीब पहुंचने की कोशिश की। कई बार ऐसा लगता है कि आप उस स्थिति में हैं, क्योंकि आपको लगभग यकीन हो जाता है कि यह आपके साथ हुआ है। लेकिन, मैं ऐसी अभिनेत्री नहीं हूं जो पूरी तरह से उस स्थिति में उतर जाए, क्योंकि इससे आप पर असर पड़ेगा। मैं ऐसा नहीं करती।बचपन से लेकर अब तक इस देश में पली-बढ़ी एक महिला के रूप में, क्या मुझे इस तरह के हमलों या आघातों का एहसास है? हां, शायद है, क्योंकि मेरे करीबी लोग इससे गुजरे हैं। इसलिए कभी-कभी यह उन चीजों में से एक है जिनसे आप अनजाने में ही जुड़ जाते हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि इस फिल्म ने उन्हें भारत में ऐसे मामलों में कानूनी व्यवस्था की प्रकृति को समझने में मदद की। अक्सर अदालती कार्यवाही अतीत के दर्द को फिर से ताजा कर सकती है।

हॉलीवुड मसाला

प्युअर्टारिको में निभाएंगे लीड रोल

लॉस एंजिल्स। प्योर्टो रिको के ग्लोबल सुपरस्टार बैड बनी अब बड़े पर्दे पर लीड रोल में नजर आने वाले हैं। वे ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म प्युअर्टारिको में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह उनकी पहली फीचर फिल्म होगी। जिसमें वे बतौर लीड स्टार दिखाई देंगे। प्युअर्टोरिको को मेकर्स ने 'एपिक कैरेबियन वेस्टर्न' बताया है। यह फिल्म प्योर्टो रिको के इतिहास और उसकी जड़ों को सच्ची घटनाओं से प्रेरित कहानी के जरिए दिखाएगी। खास बात यह है कि फिल्म का निर्देशन ग्रैमी विनिंग रैपर रेसिडेंटे करेंगे।

मार्डी ग्रास कार्यक्रम में भारी हंगामा

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता शिया ला बियौफ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना मंगलवार सुबह न्यू ओरलीन्स के फ्रेंच क्वार्टर इलाके में हुई। हॉलीवुड अभिनेता शिया ला बियौफ पहले भी कई कानूनी विवादों में रह चुके हैं। अब एक नया मामला सामने आया है, जिसके बाद सीधे पुलिस को ला बियौफ को गिरफ्तार करना पड़ा। यह पूरा मामला मार्डी ग्रास कार्यक्रम से जुड़ा हुआ है। हॉलीवुड अभिनेता शिया ला बियौफ की मार्डी ग्रास कार्यक्रम के दौरान दो लोगों से मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तारी हुई है। पुलिस के मुताबिक, उनके पास रात करीब 12:45 बजे एक कॉल आया, जिसमें उन्हें बताया गया कि ला बियौफ हंगामा और आक्रामक व्यवहार कर रहे हैं। जब एक कर्मचारी ने एक्टर को वहां से बाहर निकालने की कोशिश की, तो बाहर आने के बाद अभिनेता ने एक व्यक्ति से मारपीट की।

ऋतिक संग काम से एक्स बॉयफ्रेंड को जलन

मुंबई। मृणाल ठाकुर ने अपने एक्स बॉयफ्रेंड को लेकर एक किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि कैसे उनके एक्स बॉयफ्रेंड को उनके गुड लुकिंग हीरो के साथ काम करने पर जलन होती थी। मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म आ रही है दो दीवाने शहर में। इस फिल्म का दोनों खूब जोर-शोर से प्रमोशन कर रहे हैं। ऐसे ही एक प्रमोशन के दौरान मृणाल बताती हैं कि कैसे उनके एक्स बॉयफ्रेंड को एक्ट्रेस के गुड लुकिंग स्टार ऋतिक रोशन और शाहिद कपूर के साथ काम करने से जलन होती थी। दरअसल, मृणाल से पूछा गया कि क्या वह सिक्योर इंसान हैं या फिर इनसिक्योर। मृणाल फिर अपनी एक स्टोरी बताती हैं कि कैसे उनके एक्स बॉयफ्रेंड को पसंद नहीं था एक्ट्रेस का किसी गुड लुकिंग एक्टर संग काम करना।

डॉग लवर्स के लिए मस्ट है फिल्म नेमार

मुंबई। अगर आप एक डॉग लवर हैं तो हम आपको जियो हॉटस्टार पर मौजूद एक फिल्म का नाम बता रहे हैं। ये फिल्म साल 2023 में रिलीज हुई थी। ये मलायालम फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। अगर अभी तक आपने ये फिल्म नहीं देखी है तो इस वीकेंड पर जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं उसका नाम है नेमार। फिल्म को सुधी मैडिसन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी की बात करें तो फिल्म का मेन किरदार एक कुत्ता है जिसका नाम नेमार होता है। नेमार नाम ब्राजील के एक पॉपुलर फुटबॉलर के नाम पर इस नाम को रखा गया है। फिल्म में इस बात की ओर इशारा भी किया जाता है। नेमार के प्लॉट की बात करें तो दो दोस्त एक लड़की को इम्प्रेस करने के लिए एक कुत्ते को अडॉप्ट करते हैं।

टीवी मसाला

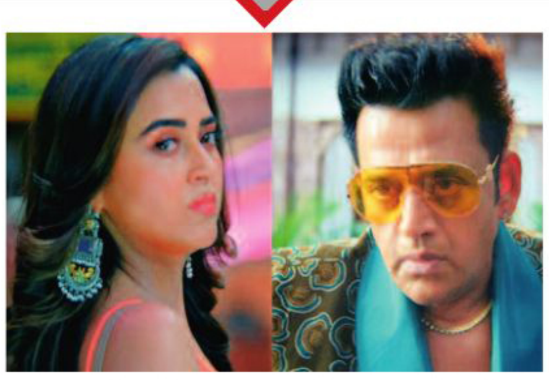

साइको सैयां का ट्रेलर रिलीज जुनूनी आशिक बने रवि किशन

नई दिल्ली। रवि किशन एक मंझे हुए कलाकार हैं, हर किरदार में जान डाल देते हैं। गुरुवार को उनकी अपकमिंग सीरीज 'साइको सैयां' का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें 'नागिन'से फेमस हुई टीवी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश भी एक अहम किरदार निभा रही हैं। दो मिनट के इस ट्रेलर में सबसे पहले कार्तिक (अनुद सिंह) की एंट्री होती है। वह उज्जैन का एक लड़का है, जिसकी दुनिया तब उलट जाती है, जब वह चारू से मिलता है। चारू का रोल तेजस्वी प्रकाश ने निभाया है। ट्रेलर में पहले रोमांस नजर आता है, लेकिन जैसे जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, कार्तिक का प्यार जुनून में बदल जाता है। वह शहर में चारू का पीछा करता है। जो भी चारू के करीब आता है, उसे रास्ते से हटाने के लिए कड़े कदम भी उठाता है। फिर ट्रेलर में नजर आते हैं, रवि किशन। वह भी इस सीरीज में एक और जुननी आशिक बने हैं। उनके किरदार की एंट्री के बाद कहानी में नए ट्विस्ट आते हैं। इस सीरीज में अपने किरदार के बारे में रवि किशन कहते हैं, 'मेरे किरदार अपने ही नियमों से खेलता है और अपने साथ एक तरह की अनप्रेडिक्टेबिलिटी लाता है। यह एक इंटेंस, बेबाक रोल है। इसे करने में मुझे मजा आया।'इस सीरीज से ओटीटी पर तेजस्वी प्रकाश डेब्यू कर रही हैं। वह कहती हैं, 'साइको सैयां से ओटीटी पर डेब्यू कर रही हूं। मेरे रोल काफी लेयर्ड हैं। मैं इस रोल के लिए शुक्रगुजार हूं।'इस सीरीज में सृष्टि श्रीवास्तव, सुरभि चंदना, वरुण भगत, अश्विनी कालसेकर और यशपाल शर्मा भी सपोर्टिंग रोल में हैं। 'साइको सैयां' 25 फरवरी से अमेजन एमएक्स प्लेयर, प्राइम वीडियो जैसे सभी प्लेटफॉर्म पर फ्री में स्ट्रीम होगी।

द 50' में नहीं थम रहा झगड़ा का सिलसिला

नई दिल्ली। इन दिनों टीवी पर एक नया रियलिटी शो 'द 50' दर्शकों को एंटरटेनमेंट की भरपूर डोज दे रहा है। इस शो में भी 'बिग बॉस'की तरफ आए दिन झगड़े और फसाद होते हैं। हालिया रिलीज प्रोमो में टीवी एक्ट्रेस रिद्धिमा पंडित का एक दूसरी प्रतियोगी से जमकर झगड़ा हुआ। रिद्धिमा पंडित को टीवी सीरियल 'बहू हमारी रजनीकांत'के जरिए खूब फेम मिला। 'द 50' के प्रोमो में एक्टर प्रिंस नरूला ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हर शख्स को फिनाले तक नहीं ले जा सकते हैं।साथ ही उन्होंने बताया कि किसी भी प्रतियोगी के साथ भेदभाव नहीं हुआ। इस दिव्या अग्रवाल ने एक प्रतियोगी का नाम लिया। इस पर रिद्धिमा, दिव्या से बहस करने लगीं। वह कहती हैं कि यह हर कोई एक गैंग में भी अपना-अपना ग्रुप बनाकर चल रहा है। इसके अलावा रिद्धिमा ने दिव्या को कहा कि वह यहां की बॉस नहीं है, तो वह उनकी नहीं सुनेगी।

44 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने छाप डाले 342 करोड़, झटके 4 नेशनल अवॉर्ड

बॉलीवुड की वो फिल्म जो महज 44 करोड़ के बजट में बनी थी, लेकिन इसने बॉक्स-ऑफिस पर छप्परफाड़ कमाई की थी। फिल्म ने शानदार कलेक्शन दर्ज करने के साथ ही 4 नेशनल अवॉर्ड्स जीते थे। ये फिल्म लीड एक्टर और डायरेक्टर दोनों के कॅरियर के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुई थी। भारतीय सिनेमा में अब बड़े बजट की फिल्में आम होती जा रही हैं। आज कई प्रोजेक्ट्स 500 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा की लागत में बन रहे हैं। भारी-भरकम बजट में बन रही इन फिल्मों की खासियत बड़े सितारे, भव्य सेट और हाई-एंड वीएफएक्स से हैं। नीतेश तिवारी की रामायण को अबतक की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्मों की कामयाबी सिर्फ बजट से तय नहीं होती हैं। कई कम बजट फिल्मों ने शानदार कलेक्शन दर्ज कर दमदार परफॉर्मेंस की. कई बार कम बजट की फिल्में भी दमदार कहानी और मजबूत प्रस्तुति के दम पर बड़ी सफलता हासिल कर लेती हैं। कुछ फिल्में सीमित संसाधनों के साथ चुपचाप शुरू होती हैं, लेकिन रिलीज के बाद इतिहास बना देती हैं। ऐसी ही एक वॉर ड्रामा फिल्म है जिसे नए डायरेक्टर और उस दौर के उभरते लीड अभिनेता ने मिलकर बनाई थी।

नई दिल्ली। खास बात यह रही कि इतने भव्य प्रेजेंटेशन के बावजूद फिल्म बहुत कम बजट में तैयार हुई और बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल करते हुए बड़ी कमर्शियल हिट साबित हुई। फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' को आदित्य धर ने डायरेक्ट किया और विक्की कौशल ने लीड रोल निभाया। 2019 में रिलीज हुई इस फिल्म ने देशभक्ति के जज्बे और तेज डायलॉग्स के कारण दर्शकों का दिल जीत लिया। साथ ही, इंडस्ट्री के लोगों को भी इस बात ने प्रभावित किया कि फिल्म कितनी कुशलता से बनाई गई थी। 44 करोड़ के बजट में बनी 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' ने दुनियाभर में 342.73 करोड़ रुपए का कलेक्शन दर्ज किया था। 'उरी' उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल थी। पुराने इंटरव्यू में आदित्य धर ने शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें फिल्म के लिए उतना ही बजट मिला था, जितना नए डायरेक्टर्स को रामांटिक फिल्मों के लिए मिला था। फिर भी, उन्होंने उसी बजट में युद्ध फिल्म बनाने का फैसला किया।

कहानी में पांच बड़े एक्शन सीक्वेंस थे, जिसमें चंदेल, म्यांमार और उरी अटैक के हिस्से शामिल थे। लेकिन, टीम के पास सिर्फ नौ स्टंट आर्टिस्ट थे, जिनसे ये मुश्किल सीन शूट करने थे।

शूटिंग के लिए मौसम की स्थिति थी बहुत मुश्किल : इसका हल निकालने के लिए आदित्य धर ने स्मार्ट प्लानिंग की। वही नौ स्टंट परफॉर्मर्स कई सीक्वेंस में नजर आए। अलग-अलग दाढ़ी, चोट और मेकअप की मदद से उन्हें हर बार अलग किरदार के रूप में पेश किया गया। अगर ध्यान से देखें, तो कई सीन में वही चेहरे बार-बार दिखते हैं।

प्रियंका ने वाराणसी को बताया कॅरियर डिफाइनिंग फिल्म...

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर चर्चाओं में हैं। लेकिन अभिनेत्री एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'वाराणसी'को लेकर काफी उत्साहित हैं। प्रियंका इस फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यही कारण है कि प्रियंका 'वाराणसी'को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में पति निक जोनस के साथ 'द ब्लफ'के वर्ल्ड प्रीमियर में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने 'वाराणसी'को लेकर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने इसे करियर-डिफाइनिंग बताते हुए कहा कि 'वाराणसी' उनके लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है। सात साल बाद किसी भारतीय फिल्म से दूर रहने के बाद, इस फिल्म को पहले से ही आने वाले समय की सबसे बड़ी सिनेमाई घटनाओं में से एक माना जा रहा है। प्रियंका ने निर्देशक राजामौली को भारत के सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माताओं में से एक बताया। साथ ही कहा कि वो अपनी इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं।

एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित 'वाराणसी' की घोषणा पिछले साल की गई थी। हैदराबाद में फिल्म का एक बड़ा इवेंट हुआ था, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आई थी। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के किरदार में नजर आएंगे। वो फिल्म में भगवान राम के अवतार में भी दिखाई देंगे। इसके अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन विलेन की भूमिका निभाएंगे, उनके किरदार का नाम कुंभा है। जबकि प्रियंका चोपड़ा फिल्म में मंदाकिनी के किरदार में दिखाई देंगी। '

हर बार अपने किरदार में पूरी तरह उतर जाया करते थे

बॉलीवुड का इकलौता हीरो, जिन्हें मिला था बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड

***नई दिल्ली।** कई बार एक्टर के असली नाम पर उनका किरदार भारी पड़ गया है। यहां आज हम उस हीरो की बात कर रहे हैं जिन्हें फ्रांस के फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस के रोल से सम्मानित किया गया।कई बार फिल्मी सितारों के नाम पर उनका किरदार अधिक हावी हो जाता है। ये किरदार उन्हें दुनिया भर में वो पहचान दिलाते हैं, जिसके बाद लोग उनका नाम जानने की ललक रखते हैं। हिंदी सिनेमा और थिएटर की दुनिया के चमकते सितारे निर्मल पांडे ऐसे ही कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी। इनका नाम एक ऐसे एक्टर के तौर पर फेमस है जो थे तो अभिनेता, लेकिन उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था। निर्मल पांडे की भूमिका चाहे बड़े पर्दे पर हो या छोटे पर्दे पर, वे हर बार अपने किरदार में पूरी तरह उतर जाया करते थे।*

किन्नर किरदार के लिए मिला था अवॉर्ड

साल 1997 में फ्रांस के वैलेंसिएन्स फिल्म फेस्टिवल में निर्मल पांडे को फिल्म 'दायरा' में अपने किन्नर किरदार के लिए 'बेस्ट एक्ट्रेस' का अवॉर्ड मिला था, जिसके बाद तालियां गूंज उठी थी। वे इंडस्ट्री के इकलौते ऐसे पुरुष कलाकार थे, जिन्हें 'बेस्ट एक्ट्रेस' का अवॉर्ड दिया गया था।

नैनीताल से थे

निर्मल पांडे का जन्म 10 अगस्त 1962 को उत्तराखंड के नैनीताल जिले में हुआ था। उनका असली नाम राजकुमार पांडे था। बचपन से ही उनकी रुचि एक्टिंग में थी। स्कूल और मोहल्ले में होने वाली रामलीला और नाटकों में वह हमेशा भाग लिया करते थे। अल्मोड़ा और नैनीताल में अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने अभिनय के सपनों को पूरा करने के लिए दिल्ली का रुख किया।

पढ़ाई पूरी करने के बाद लंदन चले गए

एनएसडी की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह लंदन चले गए। वहां उन्होंने एक थिएटर ग्रुप के साथ जुड़कर लगभग 125 नाटकों में अभिनय किया। उन्होंने हीर-रांझा, एंटीगोन और कई अन्य क्लासिक नाटकों में अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी एक्टिंग विदेशी दर्शकों को भी बेहद पसंद आई।

एनएसडी से एक्टिंग की पढ़ाई शुरू की

दिल्ली आने के बाद निर्मल पांडे ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) से एक्टिंग की पढ़ाई शुरू की। एनएसडी में उन्होंने थिएटर और अभिनय की बारीकियों को सीखा। इस दौरान उन्होंने नाटकों का निर्देशन भी करना शुरू किया और मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाते रहे।

जीवन संघर्षों से भरा

निर्मल ने फिल्मों के साथ-साथ टीवी पर भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने हातिम और प्रिंसेस डॉली और उसका मैजिक बैग जैसे शो में विलन का किरदार निभाया। इसके अलावा, वे संगीत में भी रुचि रखते थे और 2002 में अपनी म्यूजिक एल्बम 'जज्बा' लॉन्च की। निर्मल पांडे का जीवन संघर्षों से भरा था। निर्मल पांडे का गाजियाबाद में एक एक्टिंग इंस्टिट्यूट, फ्रेश टैलेंट अकैडमी था, जहां उन्होंने थिएटर वर्कशॉप आयोजित किए। हार्ट अटैक के चलते 18 फरवरी 2010 को 47 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था।

वैलेंसिएन्स फिल्म फेस्टिवल में मिला बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड

निर्मल पांडे की खासियत यह थी कि वे किसी भी किरदार में पूरी तरह ढल जाते थे। यही वजह थी कि उन्हें अमोल पालेकर की फिल्म 'दायरा' में किन्नर के रोल के लिए 1997 में फ्रांस के वैलेंसिएन्स फिल्म फेस्टिवल में 'बेस्ट एक्ट्रेस' का अवॉर्ड मिला। फिल्म में उनके साथ सोनाली कुलकर्णी भी मुख्य किरदार में थीं। इसकी कहानी बेहद खास थी, जिसमें लड़की को लड़का बनना था और लड़के को लड़की। जब फिल्म के लिए अवॉर्ड मिला तो दोनों को किरदार के अनुसार सम्मानित किया गया, यानी निर्मल पांडे को बेस्ट एक्ट्रेस और सोनाली कुलकर्णी को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला।

खबर संक्षेप

कर्नाटक व जम्मू-कश्मीर के बीच होगा फाइनल

लखनऊ। कर्नाटक ने बृहस्पतिवार को उत्तराखंड के खिलाफ ड्रॉ हुए सेमीफाइनल मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर 11 साल के अंतराल के बाद रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई। कर्नाटक 24 फरवरी से हुबली में होने वाले फाइनल में जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगा। अब कर्नाटक की निगाहें अपने नौवें रणजी ट्रॉफी खिताब पर लगी होंगी। उसने आखिरी रणजी खिताब 2014-15 सत्र में आर विनय कुमार की कप्तानी में जीता था।

सितंबर में आयोजित की जाएगी लद्दाख मैराथन

नई दिल्ली। विश्व में सबसे ऊंचाई वाले स्थान पर होने वाली प्रतिष्ठित लद्दाख मैराथन इस साल 10 से 13 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। एआईएमएस से प्रमाणित लद्दाख

मैराथन को दुनिया की सबसे चुनौती पूर्ण मैराथन माना जाता है जिसमें सिल्क रूट अल्ट्रा (122 किमी) और खारदुंग ला चैलेंजर अल्ट्रा रेस (72 किमी) आकर्षण का केंद्र होंगे। खारदुंग ला में 17,618 फीट की ऊंचाई पर होने वाली इन दोनों दौड़ में मैराथन और अल्ट्रा मैराथन का अनुभव रखने वाले धावक ही भाग ले सकते हैं। इस मैराथन के लिए पंजीकरण गुरुवार से शुरू हो गए हैं। इसमें भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

पाकिस्तान हॉकी टीम के कप्तान पर लगा प्रतिबंध

कराची। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के प्रेसिडेंट तारिक बुगती ने होटल पेमेंट में हुई गड़बड़ी के बाद इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले उन्होंने पाकिस्तान के कप्तान शकील अम्माद बट पर भी 2 साल का प्रतिबंध लगाया है। बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान की नेशनल टीम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, जहां उनके रहने तक की सही व्यवस्था नहीं थी और पाकिस्तानी कप्तान ने सोशल मीडिया के जरिए बदइंतजामी की पोल खोली थी। बुगती ने पाक के प्रधानमंत्री शहबाज को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

आईपीएल से जुड़ी 'द हंड्रेड' टीमों के पाक खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगाने की संभावना

लंदन। पाकिस्तान के क्रिकेटरों को आगामी सत्र में 'द हंड्रेड' की उन फ्रेंचाइजी से अनुबंध मिलने में मुश्किल हो सकती है जिनका स्वामित्व आंशिक रूप से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के पास है। रिपोर्टों के अनुसार इन टीमों ने अगले महीने होने वाली खिलाड़ी नीलामी में पाक खिलाड़ियों पर विचार नहीं करने का निर्णय लिया है। 21 जुलाई से 16 अगस्त तक निर्धारित इस टूर्नामेंट के आगामी सत्र में निजी निवेश के कारण खिलाड़ियों के वेतन में काफी बढ़ोतरी होने वाली है लेकिन पाकिस्तान के खिलाड़ियों को इस वित्तीय लाभ से वंचित रहना पड़ सकता है क्योंकि भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण कूटनीतिक संबंधों के चलते आईपीएल से जुड़ी फ्रेंचाइजी ऐसा फैसला कर सकती हैं।

टी-20 विश्व कप 2026: सुपर-8 में भारतीय टीम की द. अफ्रीका, जिम्बाब्वे व वेस्ट इंडीज से होगी भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम सुपर-8 में पहुंच चुकी है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अपने शुरुआती 3 मैच जीतते ही सुपर-8 का टिकट हासिल किया था। नियमों के मुताबिक, चारों ग्रुप में से हर एक से शीर्ष-2 टीमें अगले दौर में पहुंचती हैं। गत विजेता भारतीय टीम को सुपर-8 के ग्रुप-1 में रखा गया है। आइए इस ग्रुप से जुड़ी सभी जानकारी पर एक नजर डालते हैं।

सुपर-8 में ग्रुप-1 में शामिल है भारतीय टीम

सुपर 8 प्री-सीडिंग में, भारत को वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के साथ ग्रुप-1 में रखा गया है। दूसरी तरफ इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका की टीमें ग्रुप-2 में मौजूद है। इस ग्रुप की बची हुई टीम पाकिस्तान या यूएसए में से एक होगी। बता दें कि ग्रुप-1 की टीमें अपने सभी मैच भारत में खेलेंगी, जबकि ग्रुप-2 की टीमों के मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे।

अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता में सुपर 8 में भिड़ंत

भारत 22 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अपने पहले सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। प्रोटियाज टीम ने भी अपने ग्रुप के चारों मैचों में जीत दर्ज की है। इसके 4 दिन बाद 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में सूर्यकुमार के नेतृत्व वाली टीम जिम्बाब्वे से भिड़ेगी। भारत का आखिरी मुकाबला वेस्टइंडीज से होगा। कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में 1 मार्च को ये मैच खेला जाएगा।

टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम का प्रदर्शन

भारत ने अपने पहले मैच में यूएसए क्रिकेट टीम को 29 रन से हराते हुए अपने अभियान की शुरुआत की थी। अपने दूसरे मुकाबले में भारत ने नामीबिया को 93 रन से करारी शिकस्त दी। इसके बाद सूर्यकुमार की कप्तानी वाली टीम ने पाकिस्तान को 61 रन से हराया। भारत ने अपने आखिरी ग्रुप मैच में नीदरलैंड को भी हरा दिया।

अपने तीसरे खिताब की तलाश में है भारतीय टीम

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2007 में टी-20 विश्व कप पर कब्जा जमाया था। इसके बाद रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम 2024 में दूसरी बार विजेता बनी थी। भारतीय टीम इस बार अपना तीसरा खिताब जीतने की पुरजोर कोशिश कर रही है। इसके अलावा भारतीय टीम 2014 के संस्करण में उपविजेता रही थी। भारत के अलावा इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 2-2 बार इस प्रतिष्ठित खिताब को अपने नाम किया है। इनके अलावा पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया 1-1 बार विजेता बनी है।

टी-20 विश्व कप 2026 : इटली की टीम 123 रन पर सिमटी

वेस्टइंडीज ने इटली को 42 रन से हराया जोसेफ ने लिए 4 विकेट, लपके 4 कैच

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 के 37वें मुकाबले में इटली को 42 रन से हरा दिया। इस विश्व कप में वेस्टइंडीज की लगातार चौथी जीत है। वहीं, इटली का इस विश्व कप में सफर खत्म हो गया। उसने 4 मुकाबले खेले और उसे 1 मैच में नेपाल के खिलाफ जीत मिली। मैच में वेस्टइंडीज ने 165/6 का स्कोर बनाया।

जवाब में इटली 123 रन ही बना पाई। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए लेकिन उसने होप (46 गेंद पर 75 रन) के अर्धशतक की बदौलत छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। इसके जवाब में इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया।

मैच का लेखा-जोखा

मैच में इटली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज के लिए कप्तान शाई होप ने सबसे ज्यादा 75 रन बनाए। उनके अलााव शेरफन रदरफोर्ड और रोस्टन चेज के बल्ले से 24-24 रन निकले। क्रिशन कालुगामगे ने इटली के लिए सिर्फ 25 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में इटली के लिए कोई बल्लेबाज मैच जिताऊ पारी नहीं खेल पाया। वेस्टइंडीज के लिए शमार जोसेफ ने घातक गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

ऐसी रही होप की पारी

होप ने 46 गेंदों का सामना किया और 76 रन बनाए। उनके बल्ले से 6 चौके और 4 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 163.04 की रही। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 11वां अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में पूरा किया। होप ने लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक लगाया। इससे पहले उन्होंने नेपाल के खिलाफ 61* रन की पारी खेली थी। इस खिलाड़ी ने टी-20 विश्व कप में 152.32 की स्ट्राइक रेट से 262 रन बनाए हैं।

होल्डर के 300 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले

जेसन होल्डर अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने उतरे। उन्होंने अब तक 69 टेस्ट, 138 वनडे और 93 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। होल्डर ने टेस्ट में 30.39 की औसत से 162 विकेट लिए हैं, जबकि वनडे में उनके नाम 36.96 की औसत से 159 विकेट दर्ज हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में वह 106 विकेट चटका चुके हैं। होल्डर ने बल्ले से भी योगदान दिया है और टेस्ट में 3,073, वनडे में 2,237 तथा टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 789 रन बनाए हैं।

अफगानिस्तान ने कनाडा को 82 रन से हराकर जीत से अभियान समाप्त किया

चेन्नई (भाषा)। अफगानिस्तान ने इब्राहिम जदरान (नाबाद 95 रन) की शानदार अर्धशतकीय पारी के बाद मोहम्मद नबी (सात रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बृहस्पतिवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के औपचारिक ग्रुप डी मैच में कनाडा पर 82 रन की जीत से अपना अभियान खत्म किया। कनाडा की टीम टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी जबकि अफगानिस्तान की यह दूसरी जीत रही। राशिद खान की अगुआई वाली टीम स्पष्ट रूप से बेहतर टीम थी जो दक्षिण अफ्रीका को 'डबल सुपर ओवर' तक ले गई, हालांकि उसे हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी दोनों टीमों के बीच मुकाबले में अफगानिस्तान ने जदरान की 56 गेंद की अर्धशतकीय पारी से चार विकेट पर 200 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। फिर उसके गेंदबाजों ने कनाडा को 20 ओवर में आठ विकेट पर 118 रन ही बनाने दिए। दोनों टीमें शानदार जीत के साथ घर लौटना चाहती थीं, लेकिन अफगानिस्तान ने शानदार बल्लेबाजी के साथ शानदार गेंदबाजी की। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कनाडा ने तीसरे ही ओवर में कप्तान दिलप्रीत बाजवा (13 रन) का विकेट गंवा दिया। छह ओवर के अंदर उनका स्कोर तीन विकेट पर 33 रन हो गया जिसमें नबी ने अहम झटके दिए। उन्होंने युवराज समरा (17) और निकोलस किर्टन (10) के विकेट झटके। ऑफ-स्पिनर मुजीबुर रहमान ने बाजवा को आउट किया।

टी20 वर्ल्ड कप

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को घर में घुसकर रौंदा, जीत की हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में जिम्बाब्वे की टीम कमाल कर रही है। अब उसने श्रीलंका को उसी के घरेलू मैदान पर 6 विकेट से हरा दिया है। कोलंबो में खेले गए मैच में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 178 रनों का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में जिम्बाब्वे ने 3 गेंद शेष रहते लक्ष्य को हासिल कर लिया। इससे पहले जिम्बाब्वे की टीम इसी वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया को हरा चुकी है। बताते चलें कि यह अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट इतिहास में जिम्बाब्वे का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज है. वहीं जिम्बाब्वे की टीम ग्रुप बी में टॉप पर रही। इस मैच में टॉस जीतकर श्रीलंका पहले बैटिंग करने आई थी, उसने पथुम निसांका के अर्धशतक की बदौलत स्कोरबोर्ड पर ठीक ठाक रन 179 रन भी बनाए थे। मगर सिकंदर रजा और उनकी सेना एक और बड़ा उलटफेर करने के मूड़ में मैदान में उतरी थी और उसने अपने जीत के अभियान को जारी रखा।

खूब गरजा सिकंदर रजा का बल्ला

एक छोर ब्रायन बैनेट ने संभाला हुआ था, जो मैच में 63 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं पारी के 12वें ओवर में कप्तान सिकंदर रजा बैटिंग करने आए। उन्होंने अपनी पारी की पहली 9 गेंदों में सिर्फ 6 रन बनाए थे, जिसके बाद उन्होंने चौके और छक्कों की बारिश करनी शुरू कर दी। अगली 16 गेंदों में सिकंदर ने 39 रन जड़ डाले। आखिरी 10 ओवर में जिम्बाब्वे को जीत के लिए 101 रन बनाने थे. वो सिकंदर रजा की 45 रनों की तूफानी पारी का ही नतीजा रहा कि जिम्बाब्वे 179 के विशालकाय लक्ष्य को हासिल कर पाई।

क्रिकेट

बिग बैश लीग का पहला मैच भारत में कराना चाहती है क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारत में क्रिकेट की लोकप्रियता जगजाहिर है। घरेलू मैच से लेकर के अंतरराष्ट्रीय मैच तक हर मुकाबले को देखने के लिए मैदान पर दर्शक मौजूद होते हैं। क्रिकेट की दीवानगी के चलते ही इंडियन प्रीमियर लीग विश्व की सबसे बड़ी क्रिकेट फ्रेंचाइजी लीग है।इस बीच खबर है कि बिग बैश लीग के अगले संस्करण के पहले मैच को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया भारत में आयोजित करवाना चाहता है।

चेन्नई में मैच आयोजित कराने पर विचार : सेन क्रिकेट की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अगले बीबीएल संस्करण के पहले मैच को चेन्नई में आयोजित कराना चाहता है।रिपोर्ट में कहा गया है कि यह भारतीय और दक्षिण एशियाई दर्शकों को जोड़ने की सीए की बड़ी योजना का हिस्सा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की फिलहाल ऐसी योजना है कि तमिलनाडु की राजधानी में सालाना गेम आयोजित किया जाए। हालांकि, इस पर भी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मंजूरी की जरूरत होगी।

ओमान और खराब फार्म से जूझ रही आस्ट्रेलिया के बीच भिड़ंत आज

कैंडी। टी-20 विश्व कप 2026 के 40वें मुकाबले में शुक्रवार (20 फरवरी) को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का सामना ओमान से होगा। यह सुपर-8 चरण शुरू होने से पहले ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला होगा, हालांकि दोनों टीमें पहले ही सुपर-8 की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया और ओमान के बीच अब तक सिर्फ एक टी-20 मुकाबला खेला गया है, जिसमें कंगारू टीम ने जीत दर्ज की थी। ओमान और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह मुकाबला कैंडी के पल्लेकेले क्रिकेट स्टेडियम में रात 7 बजे से खेला जाएगा। इस पूरे टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी कुछ खास नहीं रही। ऐसे में आखिरी मुकाबले में वह अपना खोया हुआ फॉर्म प्राप्त करना चाहेंगे। ग्लेन मैक्सवेल जो एक भी मैच जिताऊ पारी नहीं खेल पाए, वह भी बेहतर प्रदर्शन करने को देखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरून ग्रीन, टिम डेविड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, कूपर कॉनॉली, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस और एडम जैम्पा।

ओमान: जतिंदर सिंह (कप्तान), आमिर कलीम, हम्माद मिर्जा, वसीम अली, करण सोनावाले, जितेन रामानंदी, विनायक शुक्ला (विकेटकीपर), सुफयान महमूद, नदीम खान, शाह फैसल और शकील अहमद।

तीन मैचों की महिला टी-20 क्रिकेट में 1-1 की बराबरी

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 19 रन से हराकर सीरीज की बराबर

एजेंसी ▶▶| मनुका ओवल

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 19 रन से हार का सामना करना पड़ा। मनुका ओवल में खेले गए मैच में कंगारू टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 163/5 का स्कोर बनाया, जिसमें जॉर्जिया वोल की 88 रन की पारी शामिल रही। जवाब में भारतीय टीम लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की सीरीज में फिलहाल 1-1 से बराबरी हासिल की।

इस तरह से रोचक रहा मुकाबला

ऑस्ट्रेलिया से जॉर्जिया और बेथ मूनी (46) ने पहले विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी की। अच्छी शुरुआत के बाद सलामी बल्लेबाजों के अलावा अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी क्रीज पर नहीं टिक सकी और मेजबान टीम ने सम्मानजनक स्कोर बनाया। जवाब में भारत से शफाली वर्मा (29) और स्मृति मंधाना (31) ने सधी हुई शुरुआत की। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर (36) और विकेटकीपर ऋचा घोष (19) ने संघर्ष किया, लेकिन जीत नहीं दिला सकी।

आईपीएल में मेगा डील की तैयारी

अवराम ने 16,200 करोड़ की बोली लगाई

मैनचेस्टर यूनाइटेड के मालिक खरीद सकते हैं आरसीबी को

मुंबई। आईपीएल की दुनिया में एक और बड़ी कारोबारी हलचल देखने को मिल सकती है। मैनचेस्टर यूनाइटेड के सह-मालिक अवराम ग्लेजर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम खरीदने के लिए करीब 1.8 बिलियन डॉलर (16,200 करोड़ रुपये) की बोली लगाई है। इस डील में ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी कंपनियां और भारतीय उद्योगपति भी रेस में बताए जा रहे हैं। अगर यह सौदा होता है तो आईपीएल फ्रेंचाइजी की वैल्यूएशन का नया रिकॉर्ड बन सकता है और क्रिकेट में विदेशी निवेश की नई कहानी शुरू हो सकती है। इंडियन

प्रीमियर लीग यानी आईपीएल अब सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े स्पोर्ट्स बिजनेस प्लेटफॉर्म में बदल चुका है। बता दें कि विराट कोहली इसी टीम से आईपीएल में खेलते हैं। इसे खरीदने के लिए एक से एक बड़े-बड़े दिग्गज बोली लगा रहे हैं। इस लिस्ट में अब एक बड़े अंग्रेज की भी एंट्री हो चुकी है। इतना ही नहीं आरसीबी को खरीदने की रेस में अदार पूनावाला भी शामिल हैं। अब इस लिस्ट में जिस अंग्रेज की एंट्री हुई है वह फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के सह मालिक हैं। उनका नाम अवराम ग्लेजर है।

कभी विजय माल्या थे आरसीबी के मालिक

आईपीएल की सबसे महंगी फ्रेंचाइजी में से एक आरसीबी कभी विजय माल्या की हुआ करती थी। माल्या का स्पिरिट्स बिजनेस खरीदने के बाद डियाजियो ने टीम को खरीद लिया था। विजय माल्या ने मार्च 2016 की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया और रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (आरसीएसपीएल) के बोर्ड से भी इस्तीफा दे दिया था।

पांड्या ने टी-20 के 323 मैच खेले, 279 पारियों में ठोके 6,008 रन

हार्दिक पहले भारत जिसने लिए 6,000 से ज्यादा रन और 200 से अधिक विकेट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने टी-20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ मैच के दौरान अहम उपलब्धि हासिल की। दरअसल, उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ मैच में 30 रन बनाए और अपने टी-20 क्रिकेट करियर में 6,000 रन पूरे किए। वह टी-20 क्रिकेट में 6,000 से ज्यादा रन बनाने के साथ-साथ 200 से अधिक विकेट लेने वाले पहले भारतीय ऑलराउंडर बने।

पांड्या के टी-20 क्रिकेट के आंकड़े

पांड्या ने अब तक 323 टी-20 मैच खेले हैं, जिसकी 279 पारियों में उन्होंने 6,008 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 91 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 25 अर्धशतक लगाए। दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 262 पारियों में 220 से अधिक विकेट लिए हैं। इस बीच उन्होंने 1 पारी में 5 विकेट हॉल भी लिया। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 36 रन देते हुए 5 विकेट लेना रहा।

बेमिसाल है टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर

पांड्या टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 2,000+ रन और 100+ विकेट ले चुके हैं। अब तक इस खिलाड़ी ने 133 मुकाबले खेले हैं। इसकी 104 पारियों में लगभग 30 की औसत के साथ 2,100 से अधिक रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 8 अर्धशतक निकले हैं। गेंदबाजी में पांड्या ने 120 पारियों में लगभग 26 की औसत से 110 विकेट लिए हैं। उन्होंने 3 बार 4 विकेट हॉल अपने नाम किया है। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 4/16 का रहा है।

भूपेन की दो टूक और कटु टिप्पणी

राहुल अपमानित महसूस कर रहे तो मेरे अपमान का क्या मोल?

असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बोरा बोले- ऐसा अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने गुरुवार को कहा कि जब उन्होंने पार्टी में अपने अपमान का मुद्दा राहुल गांधी के साथ उठाया, तो राहुल गांधी ने उनसे कहा कि उन्हें भी अपमानित महसूस होता है। असम में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को सोमवार को तब एक झटका लगा जब बोरा ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि वह इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते। बोरा के 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होने की संभावना है। बोरा ने राहुल द्वारा उन्हें फोन करने पर दोनों के बीच हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने राहुल से कहा था कि मैं पार्टी में अपमानित महसूस कर रहा हूं और फिर उन्होंने कहा कि उन्हें भी अपमानित महसूस हो रहा है तो फिर मेरे अपमान का क्या मूल्य है? मैं इतना अपमान सहन नहीं कर सकता, क्योंकि मुझमें इतनी क्षमता नहीं है।

गोगोई जी...अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने के लिए 50 करोड़ रुपए नाकाफी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के उस आरोप पर कि उन्होंने भाजपा में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से 50 करोड़ रुपए लिए हैं, बोरा ने कहा कि अगर उन्हें पैसे की पेशकश की जाती है, तो वे इसे मीडिया के सामने स्वीकार कर लेंगे। मेरे पिता का स्टेडियम सपना इतनी सी रकम में पूरा नहीं होने वाला है।

भूपेन बोरा

राहुल गांधी

गोगोई ने गठबंधन इसलिए तोड़ा कि वे सीएम नहीं बन पाएंगे

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के केंद्रीय नेताओं से बात की है और फिर मुझे भाजपा में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इस्तीफे के बाद अब मैं कहीं भी सक्रिय नहीं हूं, इसलिए मैंने भाजपा में शामिल होने के लिए सहमति दे दी। उन्होंने दोहराया कि उस दिन की मुलाकात के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ किसी भी राजनीतिक मुद्दे पर चर्चा नहीं की।

गोगोई को गठबंधन से अपने अस्तित्व का खतरा

उन्होंने कहा कि जब मुझे 9 फरवरी को गठबंधन को फिर से आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई थी, तो बातचीत में धुबरी सांसद रकीबुल हुसैन को शामिल करने का क्या मतलब था? गोगोई को शायद लगा कि अगर गठबंधन हो जाता है, तो भूपेन सब कुछ सौहार्दपूर्ण ढंग से करेंगे और उसे प्रियंका गांधी वाद्रा के सामने रखेंगे, जिससे उनके अस्तित्व को खतरा होगा।

मैंने ही 16 दलों को एकजुट किया

बोरा ने आरोप लगाया कि नागांव के सांसद प्रद्युत बारदोलोई और विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया को भी पार्टी में अपमानित किया गया, लेकिन अब गोगोई 'उनके घावों को भरने की कोशिश करेंगे। बोरा ने कहा कि जब उन्होंने 2021 में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पदभार संभाला था, तब स्थिति बहुत गंभीर थी,तब मैंने 16 विपक्षी दलों का गठबंधन बनाने की पहल की थी।

स्पीकर के एआई वीडियो पर बवाल

कांग्रेस मीडिया सेल नोटिस का तीन दिन में दे जवाब वरना होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के एआई वीडियो के आरोप में विशेषाधिकार विभाग ने कांग्रेस मीडिया सेल को नोटिस जारी किया है। नोटिस सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने दिया है। नोटिस में 3 दिन में नेताओं के अपना जवाब देने का निर्देश दिया गया है, अन्यथा अवमानना, विशेषाधिकार उल्लंघन की कार्रवाई होगी। वीडियो में राहुल की प्रशंसा करते दिखाया गया था कि 'भाजपा डूब जाएगी'।

विष्णुदत्त शर्मा

सुप्रिया श्रीनेत

कांग्रेस पर आरोप

इन नेताओं पर एक्स पर स्पीकर का अपमानजनक कैरिकेचर और एआई वीडियो प्रसारित कर सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाने का गंभीर आरोप है। शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के मीडिया विभाग ने जानबूझकर ऐसा किया।

खबर संक्षेप

अनिल को 26 को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को नया समन जारी किया है। इस हफ्ते बयान देने के लिए नहीं आने की वजह से उन्हें 26 फरवरी को फिर पूछताछ के लिए बुलाया गया है। उनकी पत्नी टीना अंबानी ने भी दो बार सुनवाई टाली है। टीना अंबानी को 10 फरवरी और 17 फरवरी को ईडी के सामने पेश होना था। बयान दर्ज करने के लिए बुलाया है।

शिवनेरी किले में अफरा तफरी, कई लोग घायल

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर आज पूरा महाराष्ट्र 'जय भवानी, जय शिवाजी' के नारों से गूंज रहा है। पुणे जिले में उत्साह और श्रद्धा के माहौल के बीच एक दुखद घटना सामने आई है। जुन्नर स्थित शिवनेरी किला बुधवार, 19 फरवरी को श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था। इसी दौरानभीड़ के दबाव में भगदड़ के हालात बन गए।

पिता ने की पत्नी और 2 बच्चों की हत्या

जालौर। राजस्थान के जालौर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी और दो मासूम बच्चों की गला काटकर हत्या कर दी। यह वारदात बुधवार देर रात की है। यह घटना भीनमाल थाना क्षेत्र के दासपा गांव में हुई। आरोपी की पहचान 40 वर्षीय मंगला राम पुरोहित के रूप में हुई है, जो पेशे से किसान है।

दिल्ली को मिली 24 अटल कैंटीन की सौगात

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को राजधानी में 24 नई 'अटल कैंटीनों' की शुरुआत की। कृष्णा नगर की नर्सरी बस्ती से डिजिटल तरीके से इन कैंटीनों का उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही दिल्ली में अटल कैंटीनों की कुल संख्या बढ़कर 70 हो गई। इनकी संख्या 100 करने का लक्ष्य रखा है।

वंदे भारत पर पथराव से दो शीशे टूटे

मेरठ। वाराणसी से मेरठ जा रही वंदेभारत एक्सप्रेस की बोगी के 2 शीशे टूट जाने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा ट्रेन में संघ प्रमुख मोहन भागवत भी सवार थे। जांच में पता चला कि रेलवे ट्रैक के किनारे कुछ बच्चे खेल रहे थे। इन्हीं में से कुछ बच्चों ने पत्थर चलाए, जिनसे ट्रेन के शीशे टूट गए। गुरुवार शाम लगभग 3:30 बजे यह ट्रेन मुरादाबाद की तरफ जा रही थी।

आईपैक विवाद में ईडी का सुप्रीम कोर्ट में विस्फोटक हलफनामा

ममता सरकार पर लगाए सबूतों से छेड़छाड़ के गंभीर आरोप, सीबीआई जांच की मांग

ईडी ने ममता पर निशाना साधते हुए आरोप लगाए कि डिजिटल साक्ष्यों से छेड़छाड़ हुई है। हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट से कहा कि बंगाल में 'कानूनहीनता' है। निष्पक्ष जांच को मामले सीबीआई को सौंपें

आईपीएसी दफ्तर से हटाया गया सीसीटीवी स्टोरेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बंगाल चुनाव से पहले सियासी पारा बढ़ता नज़र आ रहा है। बंगाल में हुई आईपैक रेड विवाद में सुप्रीम कोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने हलफनामा दाखिल कर दिया है। इस एफिडेविट में पश्चिम बंगाल सरकार और मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एजेंसी का दावा है कि जांच में रुकावट डालने के लिए प्रभाव, पावर और जेड प्लस सिक्योरिटी का गलत इस्तेमाल किया गया। ईडी ने सीधे ममता पर निशाना साधते हुए आरोप लगाए हैं कि डिजिटल साक्ष्यों से छेड़छाड़ हुई है। ईडी ने हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट से कहा कि पश्चिम बंगाल में 'कानूनहीनता ' है और निष्पक्ष जांच के लिए इस मामले को सीबीआई को सौंपा जाए। डिजिटल साक्ष्यों को लेकर ईडी ने सबसे बड़ा आरोप ममता सरकार पर लगाया है। हलफनामे में ईडी ने कहा है कि आईपैक के दफ्तर में कंप्यूटर डेटा का बैकअप लेने से रोका गया। सीसीटीवी स्टोरेज के डिवाइस हटा दिए गए। और जांच से पहले ही रिकॉर्ड्स से छेड़छाड़ की गई। एजेंसी ने आरोप लगाए हैं कि यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि योजनाबद्ध तरीके से साक्ष्यों को नष्ट करने की कोशिश है और यह गंभीर अपराध है।

जांच में बाधा डालने हर हथकंडे अपनाए

प्रभाव, पावर और जेड प्लस सिक्योरिटी का गलत इस्तेमाल किया

छापेमारी के दौरान खास फाइल ले जातीं सीएम ममता बेनर्जी

सीएम की सुरक्षा से बनाया गया दबाव

ईडी नेआरोप लगाया है कि सीएम ममत की जेड प्लस सिक्योरिटी का इस्तेमाल करके जांच एजेंसियों और गवाहों पर दबाव बनाया गया। ईडी ने सवाल किया कि ज़ेड प्लस सुरक्षा किसी व्यक्ति की जानमाल की सिक्योरिटी के लिए दी जाती है। अगर इसका इस्तेमाल जांच पर असर डालने या एजेंसियों को डराने-धमकाने के लिए हो तो यह इस पद के दुरुपयोग है।

बंगाल में कानून का राज खत्म

ईडी ने कहा कि बंगाल में कानूनहीनता है। और अपील की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई को जिम्मेदारी सौंपी जाए क्योंकि स्थानीय पुलिस पर भरोसा हीं किया जा सकता। यह संवैधानिक शासन के क्षरण का मामला है। कानून का राज नहीं है।

पुलिस और सरकार के विरोधाभास का जिक्र

हलफनामे में दी गई जानकारी के अनुसार ईडी ने राज्य सरकार और पुलिस कमिश्नर के विरोधाभास का जिक्र किया है। ईडी का कहना है कि सभी ने आईपैक के ऑफस पर पुलिस के पहुंचने का वक्त अलग-अलग बताया है। जिस एक पुलिसकर्मी शकील के घायल होने का दावा किया गया, उसके किसी तरह के मेडिकल रिकॉर्ड भी पेश नहीं किए गए। रेड की जानकारी देने वाले ईडी के मेल को पढ़ने को लेकर भी अलग-अलग समय बताया गया है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल पुलिस ने ईडी के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को लेकर अलग-अलग वजहों का जिक्र किया है।

कोलकाता में आईपीएसी से जुड़ी थी रेड

हलफनामे में साफ किया है कि कोलकाता में की गई रेड आईपीएसी से जुड़ी थी। यह रेड टीएमसी से जुड़े किसी डेटा को लेकर नहीं थी। आईपैक पर कोल स्मगलिंग के तहत हवाला के 20 करोड़ (प्रोसीड ऑफ क्राइम) मिलने से जुड़ा हुआ है। ईडी ने कहा कि इस मामले में सरकारी काम में बाधा डालने, साक्ष्यों की चोरी, ट्रेस पासिंग, अधिकारों का दुरुपयोग है। जैसे अपराधों में मुकदमा दर्ज

13.50 करोड़ का लोन की भी चर्चा

जब से आईपैक कंपनी पर छापा पड़ा है, टीएमसी और भाजपा के बीच में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। अब आईपैक कंपनी को लेकर भी कई खुलासे हो रहे हैं। चर्चा है कि एक कंपनी से 2021 में आईपैक को 13.50 करोड़ का लोन जरूर मिला था, लेकिन वो कंपनी आधिकारिक रिकॉर्ड्स में कभी थी ही नहीं।

हाईकोर्ट ने 42 विधायकों को भेजा नोटिस

नामांकन में 'सही तथ्य' छिपाने का आरोप,पक्ष-विपक्ष के नेता शामिल

उम्मीदवारी के समय सही जानकारी नहीं देने का आरोप

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार विधानसभा के 42 विधायकों को पटना हाईकोर्ट ने नोटिस भेजा है। इनमें पक्ष और विपक्ष दोनों के विधायक शामिल हैं। आरोप है कि इन लोगों ने नामांकन के दौरान जो शपथ पत्र भरे थे, उनमें कई तथ्य छिपाए। कुछ विधायकों पर वोटिंग प्रक्रिया में अनियमितता का भी आरोप लगाया गया है। कुछ माह पहले चुनाव हारने वालों प्रत्याशियों ने अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं, जिन पर कोर्ट ने अलग-अलग सुनवाई करते हुए लिखित जवाब देने को कहा है। हाईकोर्ट में यह एकमुश्त किसी मामले की सुनवाई के दौरान फैसला नहीं आया है या नोटिस जारी नहीं किया गया है। इसमें खास यह भी है कि कई मामलों में विधानसभा चुनाव जीतने वालों के साथ-साथ हारे प्रत्याशियों को भी कठघरे में रखा गया है। औराई विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुनी गईं रमा निषाद के खिलाफ जो मामला दर्ज हुआ था।

सूची में इन नेताओं का भी नाम

चौंकाने वाली बात यह है कि सूची में विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार का भी नाम है। इनके अलावा मंत्री विजेंद्र यादव, पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा, जदयू विधायक चेतन आनंद, राजद विधायक अमरेंद्र प्रसाद समेत 42 विधायक शामिल हैं। कोर्ट की ओर से कहा गया है कि नामांकन के दौरान दाखिल किया गया शपथपत्र लोकतांत्रिक व्यवस्था का अहम हिस्सा है। वोटर्स को प्रत्याशियों की पृष्ठभूमि, संपत्ति और अन्य विवरणों की सही जानकारी मिलनी चाहिए। जानकारी गलत दी गई तो यह गंभीर बात है। सभी विधायक तय समय के अंदर अपना जवाब दें।

कई हारे प्रत्याशी भी कठघरे में

उनकी याचिका में रमा निषाद के अलावा प्रत्याशियों- शिव शंकर गुप्ता, मो. आफताब आलम, भोगेंद्र सहनी और राधा रमण को भी आरोपी बनाया गया है।इसी तरह, दूसरे केस में- झंझारपुर विधानसभा सीट से जीतने वाले नीतीश मिश्रा के साथ हारने वाले प्रत्याशियों- कृष्ण कुमार साहू, अब्दुल इरफान, ओम प्रकाश पोद्दार, उमर आफताब अफसर, कृष्ण कुमार झा को भी इस चुनाव में दूसरे नंबर पर रहे प्रत्याशी राम नारायण यादव ने आरोपी बनाया है।

सीएए पर 250 अन्य अर्जी भी दायर

सीजेआई ने सुनवाई को तारीख तय की 5 मई से इस पर होगी लगातार सुनवाई

12 मई को याचिकाकर्ताओं को जवाब देने का मौका मिलेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 5 मई से सुनवाई शुरू करेगा। सीजेआई सूर्यकांत ने दायर याचिकाओं पर सुनवाई के लिए तारीख तय की। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) सहित 250 अन्य ने सीएए कानून पर रोक की मांग को लेकर याचिका दायर की है। आईयूएमएल ने कहा है कि सीएए कानून असंवैधानिक और मुसलमानों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है।

सीएए के खिलाफ दायर विभिन्न याचिकाओं पर फैसला

दोनों पक्षों को पूरा मौका दिया जाएगा

याचिकाओं पर अब फाइनल सुनवाई 5 मई से शुरू करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 5 मई को याचिकाकर्ताओं की दलील सुनी जाएगी। 6 मई को आधा दिन उनकी बात जारी रहेगी। 7 मई को सरकार का पक्ष सुना जाएगा। 12 मई को अगर जरूरत हुई तो जवाब देने का मौका मिलेगा।

असम त्रिपुरा पर अलग होगी सुनवाई

कोर्ट ने कहा कि असम और त्रिपुरा से जुड़े मामले अलग हैं, इसलिए इनकी सुनवाई मुख्य मामले के बाद अलग से की जाएगी। कोर्ट का कहना है कि इन राज्यों से जुड़े मुद्दे अलग तरह के हैं, इसलिए उन्हें अलग सुनना सही रहेगा।

असम में एसआईआर कराने के लिए दाखिल याचिका खारिज की

उच्चतम न्यायालय ने असम में एसआईआर कराने का निर्देश निर्वाचन आयोग को देने के अनुरोध वाली जनहित याचिका को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई ,न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने निर्वाचन आयोग की इस दलील पर संज्ञान लिया कि असम में अंतिम मतदाता सूची तैयार हो चुकी है।

गृह मंत्री शाह आज असम में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 शुरू करेंगे

2028-29 तक 6,839 करोड़ होगा व्यय

योजना से सीमांत गांवों का पूर्ण सतत विकास सुनिश्चित होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को असम में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम–2 लॉन्च करेंगे। यह प्रोग्राम सीमांत गांवों को मज़बूत बनाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के प्रयासों में एक अहम पड़ाव होगा। यह एक केंद्रीय योजना है, जिसका व्यय वित्त वर्ष 2028-29 तक 6,839 करोड़ है। इसे 15 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में लागू किया जाएगा। प्रोग्राम शुक्रवार को कछार ज़िले के नाथनपुर गांव में आधिकारिक रूप से लॉन्च किया जाएगा।

भाजपाध्यक्ष नबीन ने कहा

असम के लोगों का यहां के संसाधनों पर हक, बांग्लादेशी घुसपैठियों का नहीं

गुवाहाटी। भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को कहा कि असम के संसाधनों पर अधिकार केवल असम की जनता का है, न कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का। नबीन ने डिब्रूगढ़ के मनोहरी चाय बागान में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सीएम हिमंत विश्व सरमा ने लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए घुसपैठियों के खिलाफ उचित कदम उठाए हैं। घुसपैठियों को वापस भेजने की कार्रवाई कर रहे हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद ने उप मुख्यमंत्री पाठक पर कसा तंज

101 बटुकों का पूजन करने से नहीं धुलेगा मेले का पाप

उन्होंने अपने पसंद के बटुक बुलाए और चंदन लगा दिया

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा 101 बटुकों को घर पर बुलाकर अंगवस्त्रम और तिलक लगाकर पैर छूकर सम्मान करने पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। कहा कि उन्होंने ये करके अपनी भावना दिखाई है और जताया कि जो प्रयागराज में हुआ वह पाप था उसको धोने के लिए मैं अपना प्रयास कर रहा हूं। इससे प्रयागराज में घटना का पाप नहीं धुल सकता है। 101 बटुकों पर पुष्पवर्षा कर और तिलक कर सम्मानित करना कोई कार्रवाई नहीं है, ये राजनीति है। जो वास्तविक पीड़ित है, जिस बटुक की चोटी खींची गई उसके पास जाते कि अपने पसंद के बटुक बुला लिए और चंदन लगा दिए। ये राजनीति नहीं है। 20 दिन का अल्टीमेटम 1 मार्च को पूरा होगा।

1 मार्च को पूरी होगी हमारी चेतावनी

सैकड़ों लोग पार्टी छोड़ रहे

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गोरक्षा की मांग को लेकर 11 मार्च को लखनऊ में साधु- संतों और सनातनियों के साथ जाएंगे। भाजपा के 100 से ज्यादा कार्यकर्ता, पूर्व विधायक, पदाधिकारी रक्षा को लेकर प्रदेश सरकार की मनसा स्पष्ट न होने के कारण मेरे शरण में आ रहे हैं और पार्टी को भी छोड़ रहे हैं।

गोमाता को 'राज्य माता' घोषित करो, नहीं तो

अविमुक्तेश्वरानंद ने योगी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने गौ संरक्षण के मुद्दे पर खुली चुनौती दी है। शंकराचार्य ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे अपने समर्थकों के साथ लखनऊ की ओर प्रस्थान करेंगे।

20 दिन का समय शेष, 1 मार्च को अगली रणनीति

शंकराचार्य ने याद दिलाया कि उन्होंने सरकार को 40 दिन का समय दिया था, जिसमें से अब केवल 20 दिन शेष बचे हैं। उन्होंने कहा कि हम सरकार को याद दिला रहे हैं कि गोमाता को 'राज्य माता' का दर्जा देने के लिए समय कम बचा है। 1 मार्च को हम दोबारा पत्रकारों से मिलेंगे और आगे की स्थिति स्पष्ट करेंगे।

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने कहा

मंदिरों व प्रबंधन से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ बढ़ते केस चिंताजनक

एजेंसी ▶▶ नैनीताल

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने बुधवार को हरिद्वार स्थित चंडी देवी मंदिर के मुख्य पुजारी के खिलाफ लगे आपराधिक आरोपों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। न्यायालय में दायर विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल ने कहा कि मंदिरों और आश्रमों के प्रबंधन से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ बढ़ते मामलों की संख्या चिंताजनक है तथा धार्मिक संस्था की गरिमा को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि अगर धार्मिक स्थानों से जुड़े पदाधिकारी सहवासी संबंध, घरेलू विवादों और छेड़छाड़ जैसे आरोपों का सामना कर रहे हैं तो स्थिति वास्तव में गंभीर है। कम से कम मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे जैसे धार्मिक स्थल ऐसी गतिविधियों से मुक्त रहने चाहिए। इनके प्रबंधन प्रणालियों की उचित निगरानी सुनिश्चित करने औचक निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com